सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 240 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 7 अक्टूबर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

चाहे जो हो जाय शादी कीजिये। अगर अच्छी पत्नी मिली तो आपकी जिन्दगी खुशहाल रहेगी, अगर बुरी पत्नी मिलेगी तो आप दार्शनिक बन जायेंगे।
-सुकरात

ऋषभ पंत रणजी ट्रॉफी से कर... 7 | चुनावों के ऐलान से चढ़ने लगा... 3 | यूपी में जंगलराज बढ़ रहा... 2

सनातनी जूता, टारगेट पर दलित!

जस्टिस गवई के साथ हुए दुर्व्यवहार पर वकीलों का प्रदर्शन

» बोला विपक्ष कुछ लोगों दलित का बेटा बर्दाश्त नहीं

» पीएम समेत सभी नेताओं ने की घटना की निंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के इतिहास में एक और काला दिन दर्ज हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट के भीतर जब देश के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई एक केस की सुनवाई कर रहे थे। ठीक उसी समय एक व्यक्ति जो वकील की पोशाक में था ने उन पर जूता फेंकने की कोशिश की और सनातन जिंदाबाद का नारा लगाया। घटना अदालत की दीवारों के भीतर हुई लेकिन उसकी गूंज संविधान की आत्मा तक पहुंची है।

यह जूता अदालत की गरिमा पर नहीं बल्कि उस व्यवस्था पर पड़ा है जिसने हर सवाल करने वाले को या तो राष्ट्रद्रोही बना दिया या अपराधी। जूता, स्याही या फिर हिंसा यह पहली बार नहीं हो रही। हाल के वर्षों में यह ट्रेंड बनता जा रहा है। इस घटना से पहले दर्जनों ऐसी घटनाएं घटित हुई जिनमें असहमति के नाम पर स्याही और जूता फेंका गया है। स्वामी प्रसाद मौर्या हो या फिर रामजी लाल सुमन सरीखे नेता इन लोगों को भी टारगेट किया जा चुका है। टारगेट लोगों की फेहरिस्त में जस्टिस गवई ताजा व्यक्ति हैं जिन्हें असहमति के आधार पर निशाना बनाया गया है।

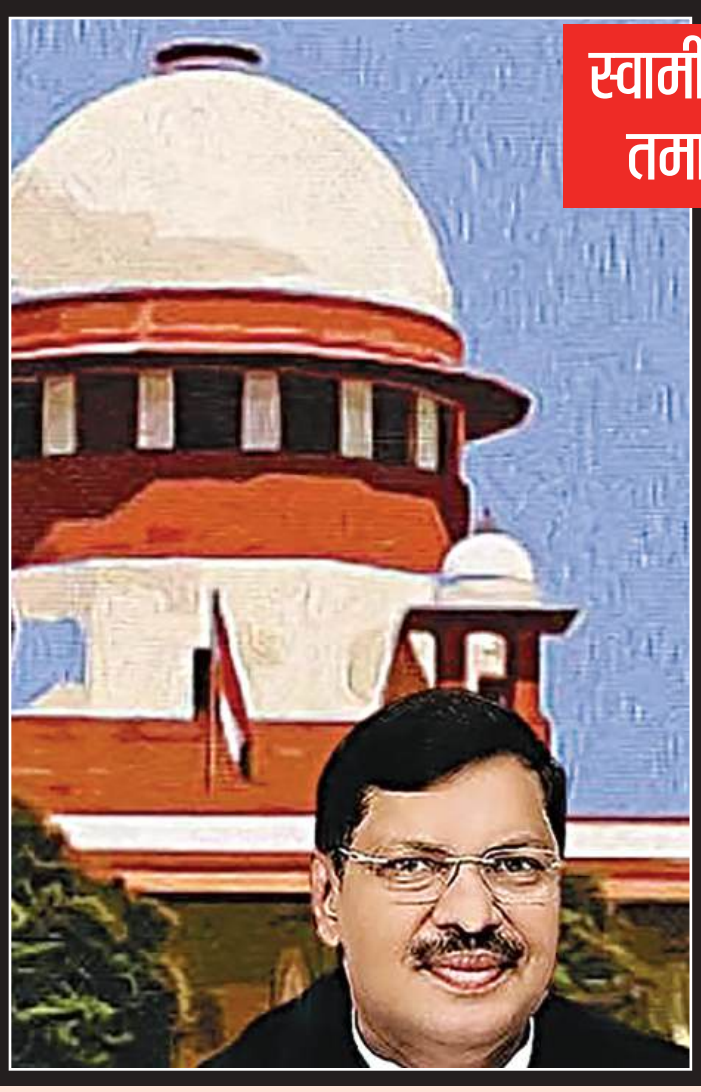

स्वामी प्रसाद मौर्या, रामजी लाल सुमन समेत तमाम पिछड़े नेताओं पर हो चुका है अटैक

जूता फेंकने की घटना संविधान पर आघात : सोनिया गांधी

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में हुई घटना की निंदा की है, जिसमें एक वकील ने भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंककर हमला करने की कोशिश की। सोनिया गांधी के बयान में कहा गया भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश पर सर्वोच्च न्यायालय में हुए हमले की निंदा करने के लिए कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं है। यह न केवल उन पर, बल्कि हमारे संविधान पर भी हमला है। मुख्य न्यायाधीश गवई बहुत दयालु रहे हैं लेकिन पूरे देश को गहरी पीड़ा और आक्रोश के साथ उनके साथ एकजुटता से खड़ा होना चाहिए।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी की कड़ी निंदा

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी इसकी कड़ी निंदा की है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पर हमले की कोशिश अत्यंत शर्मनाक, दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है। यह सिर्फ देश के मुख्य न्यायाधीश पर नहीं, बल्कि हमारे संविधान, संपूर्ण न्याय व्यवस्था और कानून के शासन पर हमला है। माननीय मुख्य न्यायाधीश ने अपनी मेहनत, लगन और योग्यता के दम पर समाज के सारे बंधनों को तोड़कर सर्वोच्च न्यायिक पद हासिल किया है। उनपर इस तरह का हमला न्यायपालिका और लोकतंत्र - दोनों के लिए घातक है। इसकी जितनी निंदा की जाए, कम है।

कुछ लोगों के हाथ में जाकर तो जूता भी अपमानित महसूस करता है : अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि कुछ लोगों के हाथ में जाकर तो जूता भी अपमानित महसूस करता है। पीडीए समाज का अपमान करनेवाले ऐसे असभ्य लोग दरअसल अपने दंभ और अहंकार के मारे होते हैं। इनकी प्रभुत्ववादी सोच नफ़रत को जन्म देती है, जो देश के सर्वोच्च न्यायिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए जितनी होती है, उतनी ही समाज के सबसे कमजोर अंतिम व्यक्ति के लिए भी। ऐसे लोग वर्चस्ववाद की बीमारी से घोर ग्रसित होते हैं। हम इसलिए कहते हैं, पीडीए का मतलब है 'पीड़ित, दुखी, अपमानित'। पीडीए समाज की उदारता और भलमनसाहत 5000 सालों से ऐसे लोगों को माफ करती आई है, लेकिन इस हद तक अपमान के बाद पीडीए समाज अब और नहीं सहेगा। भाजपा और उसके संगी-साथी अपनी सत्ता के अंतिम दौर में हैं , क्योंकि उनकी भ्रष्ट चुनावी साजिश का भंडाफोड़ हो चुका है, वो अब कभी नहीं जीतेंगे। इसीलिए हताश होकर वो ऐसे कुकृत्य कर रहे हैं। भाजपाई इस बार जाएंगे तो फिर कभी नहीं आएंगे क्योंकि जब आबादी का 90 प्रतिशत हिस्सा अपने हक-अधिकार के लिए जाग गया है तो 10 प्रतिशत का गुरूर और सिंहासन अब और नहीं टिकेगा।

घटना के विरोध में वकीलों का हंगामा

चीफ जस्टिस आफ इंडिया बीआर गवई के खिलाफ सनातन के नाम पर एक वकील द्वारा दुर्व्यवहार किये जाने की कोशिश ने बड़ा राजनीतिक शोर बरपा कर दिया है। आज सुबह से ही दिल्ली समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में वकीलों ने घटना का विरोध प्रदर्शन किया। वकीलों का कहना है कि यह हमला सिर्फ एक व्यक्तिपर नहीं है बल्कि भारत की न्याय व्यवस्था की नींव को हिलाने की साजिश है। यह संविधान के खिलाफ सीधा हमला है। प्रदर्शन कर रहे वकीलों के मुताबिक यह देश भारत के संविधान से चलेगा न कि धर्म के नाम पर नफरत फैलाने वालों से। घटना की निंदा पीएम मोदी और विपक्ष के तमाम नेताओं ने कि है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी हो फिर इमरान मसूद सभी ने एक स्वर में कहा है कुछ लोगों को दलित का बेटा बर्दाश्त नहीं हो रहा है।

यह न्यायालय की गरिमा का अपमान है : कपिल सिब्बल

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भी इस हमले की कोशिश की कड़ी निंदा की है। उन्होंने अपने एकस सुप्रीम कोर्ट बार के एक सदस्य के असभ्य व्यवहार की सभी को सार्वजनिक रूप से निंदा करनी चाहिए क्योंकि यह न्यायालय की गरिमा का अपमान है। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और कानून मंत्री की चुप्पी कम से कम आश्चर्यजनक तो है ही।

> देश के इतिहास में इस घटना को काले दिन के तौर पर लिखा जाएगा। एक दलित का बेटा सीजेआई बना है ये इन्हें पसंद नहीं हो रहा है। दलित और मुसलमान होना गाली होना जैसे हो गया है। ये लोग देश को पाषाण युग में ले जाना चाहते हैं। देश संविधान से चलेगा संविधान के अंदर सब के अधिकार सुरक्षित हैं। केवल आपका ही अधिकार नहीं है। आप सब को अपमानित क्यों कर रहे हो। सनातन तो प्रेम का धर्म है आप तो नफरत ही नफरत फैला रहे हैं।
>
> इमरान मसूद, कांग्रेस सांसद

> सनातन का अपमान नहीं सहेंगे कहते हुए राकेश किशोर नाम के वकील ने इस देश के सुप्रीम कोर्ट के मुख्यन्यायाधीश बीआर गवई पर बीच अदालत में जूता निकाल कर मारने की कोशिश की। सुरक्षाकर्मियों ने समय रहते उस आदमी को कोर्ट रूम से बाहर निकाल दिया। यह धर्म के स्वयंभू ठेकेदार नहीं - जोम्बीज हैं। इस कगार पर मेरे देश को लाने के लिए सिर्फ और सिर्फ एक आदमी जिम्मेदार है - नरेंद्र मोदी। सोचिए यह सब इस देश की सबसे ऊंची अदालत में सबसे वरिष्ठ जज के साथ हो रहा है - यह धर्मांधता नहीं पागलपन है। न्याय की सबसे ऊंची संस्था में यह होना बिल्कुल गलत है।
>
> सुप्रिया श्रीनेत, कांग्रेस नेता

मुख्यमंत्रियों ने की निंदा

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई पर हमले की निंदा की। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा,मैं भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई पर हुए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। इस तरह की हरकतें अस्वीकार्य हैं और एक सभ्य एवं लोकतांत्रिक समाज में इनका कोई स्थान नहीं है। हमारी न्यायपालिका की गरिमा को बनाए रखना हमारे लोकतंत्र के कामकाज का मूल आधार है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने भी हमले की निंदा की। सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा, देश के न्यायिक स्तंभ के सर्वोच्च पदाधिकारी पर हमला करने और उन्हें धमकाने के इस कायराना प्रयास की निंदा शब्दों में बयां नहीं की जा सकती। यह हमारे देश के इतिहास का एक काला दिन है। मैं सभी नागरिकों के साथ हमारे निडर मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई के प्रति एकजुटता व्यक्त करता हूं, जिन्होंने बहादुरी से घोषणा की कि वे ऐसे कायराना हमलों से न तो डरेंगे और न ही झुकेंगे।

हाल की कुछ घटनाएं

यूपी सरकार में पूर्व कैबिनेट मिनिस्टर स्वामी प्रसाद मौर्या पर लखनऊ में एक पार्टी इवेंट के दौरान जूता फेंका गया था। जिसने जूता फेंका था उसका नाम आकाश था और वह भी वकील की ड्रेस में आया था। घटना के पीछे उनकी कथित टिप्पणियों से नाराजगी बताई गयी थी। स्वामी प्रसाद अक्सर रामचरित्रमानस के कुछ हिस्सों को आलोचना करते थे। सपा नेता रामजी लाल सुमन के घर पर भी अभी हाल ही में करणी सेना के लोगों ने हमला कर दिया था। यही नहीं उनके उपर उस समय टायर फेंका गया जब वह कहीं जा रहे थे। हमले में वह बाल-बाल बचे थे। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में एक दलित अभियंता लाल सिंह को कार्यालय में भाजपा कार्यकर्ता द्वारा जूते से मारपीट की गई थी। यूपी के कौशांबी में एक 65-वर्षीय दलित व्यक्ति का गांव में स्याही से मुह काला करने के बाद जूते की माला पहनाकर घुमाया गया था।

> ऐसे आचरण से हर भारतीय आहत है। देश के मुख्य न्यायाधीश के साथ जिस प्रकार का व्यवहार करने का प्रयास किया गया, उसकी भारतीय जनता पार्टी निंदा करती है। इस प्रकार का आचरण हर भारतीय को आहत करता है। भाजपा की नजर में इस तरह की घटना बेहद निंदनीय है। यह न सिर्फ निंदनीय है, बल्कि हर भारतीय को आहत करती है, क्योंकि इस तरह का व्यवहार भारत की सामाजिक परंपरा, सवैधानिक गरिमा और सांस्कृतिक परंपरा के अनुरूप नहीं है। संविधान की मर्यादा का पालन करना हर भारतीय का अनिवार्य कर्तव्य है।
>
> सुधांशु त्रिवेदी, राष्ट्रीय प्रवक्ता, भाजपा

यूपी में जंगलराज बढ़ रहा है: अजय राय

ड्रोन चोरी का खौफ बना जानलेवा, ससुराल जा रहे दलित हरिओम को लोगों ने पीट-पीटकर मार डाला

» प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने मृतक हरिओम के परिवार से मुलाकात की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रायबरेली में स्थानीय लोगों ने ड्रोन चोर समझकर 40 वर्षीय दलित व्यक्ति की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना पर संज्ञान लेते हुए तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया और इस संबंध में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। विपक्षी दल ने पीड़ित परिवार के लिए एक करोड़ रुपये का मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की भी मांग की।

कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने फतेहपुर जिले में मृतक हरिओम के परिवार से मुलाकात की और उनके माता-पिता व पत्नी के साथ लगभग 25 मिनट तक चर्चा की। अजय राय ने पत्रकारों से बातचीत में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला और इसे 'जंगल राज' करार दिया। उन्होंने कहा, व्यक्ति को बेरहमी से पीटा गया, जिससे पता चलता है कि यह सरकार जंगल राज वाली है। राय ने मारपीट के दौरान राहुल गांधी का नाम लेने पर हरिओम को निशाना बनाए जाने के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हां, जब उस व्यक्ति ने राहुल जी का नाम लिया, तो उन्होंने उसे और भी ज्यादा पीटा।

कांग्रेस की जिला इकाई के अध्यक्ष पंकज तिवारी ने बताया कि सांसद राहुल गांधी ने फतेहपुर के रहने वाले हरिओम के पिता से फोन पर बात की। राहुल ने मृतक के पिता को आश्वस्त किया कि न्याय दिलाया जाएगा। इस बीच, कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि यह घटना दर्शाती है कि राज्य की कानून-व्यवस्था 'पूरी तरह से ध्वस्त' हो गई है। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस्तीफे के साथ-साथ मामले की एसआईटी जांच की भी मांग की।

राहुल गांधी का हर 'बब्बर शेर' पीड़ित परिवार के साथ खड़ा

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता, राहुल गांधी का हर 'बब्बर शेर' पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा, हमारे नेता ने व्यक्तिगत रूप से उनसे बात की है। हम न्याय सुनिश्चित करेंगे।राय ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस घटनास्थल पर मौजूद थी लेकिन हस्तक्षेप करने में विफल रही। राय ने कहा कि परिवार ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, एक करोड़ रुपये का मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है।

घटना के बारे में जातिगत अफवाहें न फैलाने की अपील की

प्रशासन ने निवासियों से घटना के बारे में जातिगत अफवाहें न फैलाने की अपील की और कहा कि आरोपियों में दलित और पिछड़े वर्ग सहित विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमि के लोग शामिल हैं। उन्होंने जनता से शांति बनाए रखने और पुलिस के साथ सहयोग करने का आग्रह किया तथा हत्या में शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार को बदनाम करना चाहता है विपक्ष : अवनीश त्यागी

इस बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता अवनीश त्यागी ने कहा कि इस तरह के दावे करके विपक्षी दल सिर्फ़ योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार को बदनाम करना चाहता है, जिसने पिछले आठ सालों में राज्य का कायाकल्प कर दिया है। त्यागी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, उन्हें अपने दौर की किसी भी उपलब्धि का बखान करने की ज़रूरत नहीं है। उनके ज़माने में लोग घरों से बाहर निकलने से डरते थे, निवेशक और पर्यटक उत्तर प्रदेश से दूर भागते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। उत्तर प्रदेश बदल गया है और विपक्ष के दावे बेबुनियाद हैं।

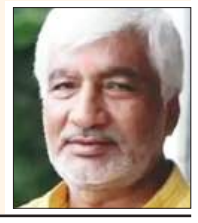

जातिवादी पाखंड कर रहे हैं विपक्षी दल: मायावती

सपा-कांग्रेस पर बड़ा हमला, कांशीराम की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम को लेकर छिड़ी रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाजवादी पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने मंगलवार को बसपा संस्थापक कांशीराम की 9 अक्टूबर को पुण्यतिथि से पहले, उनके प्रति कथित जातिवादी और दुर्भावनापूर्ण रवैये को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की कड़ी आलोचना की। चूँकि बसपा ने अपने संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम की घोषणा की है, मायावती ने 9 अक्टूबर को जनसभाएँ आयोजित करने के सपा के कदम की आलोचना करते हुए इसे सरासर धोखा बताया।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि देश में जातिवादी व्यवस्था के शिकार लाखों दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़े बहुजनों को शोषित से शासक वर्ग में बदलने के लिए, बाबा साहेब डॉ। भीमराव अंबेडकर के आत्म-सम्मान और गरिमा के मिशनरी आंदोलन के कारवां को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक और निर्माता, श्रद्धेय कांशीराम जी ने जीवित रखा और नई गति दी। हालाँकि, विरोधी दलों, विशेषकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का उनके प्रति रवैया हमेशा से घोर जातिवादी और

दुर्भावनापूर्ण रहा है, जो सर्वविदित है। मायावती ने आगे कहा कि इसलिए, आगामी 9 अक्टूबर को उनके परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर सपा प्रमुख द्वारा गोष्ठियों और अन्य कार्यक्रमों के आयोजन की घोषणा एक सरासर धोखा प्रतीत होती है, जो होठों पर राम, बगल में खंजर वाली कहावत को चरितार्थ करती है। इसके अलावा, उन्होंने कांशीराम नगर का नाम बदलकर कासगंज करने के सपा के फैसले को याद करते हुए इसे उत्तर प्रदेश में कांशीराम के आंदोलन को कमजोर करने का प्रयास बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, सपा ने न केवल कांशीराम जी के जीवनकाल में उनके आंदोलन को

सपा सरकार ने बीएसपी सरकार के नामों को सिर्फ बदला

मायावती ने कहा, इसके अलावा, बहुजनों को शासक वर्ग बनाने की प्रक्रिया में, यूपी में बीएसपी सरकार बनाने में उनके अद्वितीय योगदान के लिए, सम्मान के प्रतीक के रूप में श्रद्धेय कांशीराम जी के नाम पर कई विश्वविद्यालय, कॉलेज, अस्पताल और अन्य संस्थान स्थापित किए गए थे। हालाँकि, इनमें से अधिकांश का नाम बदलकर सपा सरकार ने कर दिया, जो कि उनकी घोर दलित-विरोधी चाल, चरित्र और चेहरे का प्रतिबिंब नहीं तो और क्या है?

उत्तर प्रदेश में लगातार कमजोर करने का प्रयास करके उनके साथ विश्वासघात किया, बल्कि जातिवादी सोच और राजनीतिक द्वेष के कारण, उन्होंने 17 अप्रैल, 2008 को बसपा सरकार द्वारा स्थापित नए जिले का नाम बदलकर कांशीराम नगर कर दिया, जिससे कासगंज को अलीगढ़ मंडल के अंतर्गत जिला मुख्यालय का दर्जा मिला।

योगीराज में लोकतंत्र कैद: संजय सिंह

नफरत फैलाने और गुंडागर्दी करने की खुली छूट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज आम आदमी पार्टी के 16 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को बरेली जाना था लेकिन योगी सरकार की पुलिस ने प्रदेश कार्यालय को छावनी में बदल दिया! लोकतंत्र में जनता के बीच जाने, पीड़ितों से मिलने, सवाल उठाने का अधिकार अगर अपराध बन गया है तो समझ लीजिए तानाशाही अपने चरम पर है।

योगी जी, आप पुलिस के दम पर सच्चाई को नहीं रोक सकतीं, आवाज़ें दबाई जा सकती हैं, मिटाई नहीं जा सकतीं! आम आदमी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल राजधानी लखनऊ से बरेली जाने के लिए निकला तो कार्यालय गेट पर पुलिस से सामना हुआ। पुलिस ने बैरिकेडिंग

लगाकर उन्हें जाने से रोका। लेकिन, आप कार्यकर्ता जाने पर अड़े रहे। इस पर कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच खींचतान देखी गई। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस ने आप नेता नदीम अशरफ और सरबजीत मक्कड़ को हाउस अरेस्ट किया। जबकि, इमरान लतीफ को गोमती नगर स्थित पार्टी कार्यालय पर रोक लिया गया। पार्टी नेताओं के बरेली जाने की सूचना पर पुलिस प्रशासन पहले से ही सतर्क था। पार्टी कार्यालय पर सुबह से ही पुलिस तैनात हो गई। दूसरी तरफ पूर्व विधायक दिलीप पांडेय अपने दिल्ली आवास से दोपहर 2 बजे बरेली के लिए निकलेंगे। हालांकि, उनको भी पुलिस जाने देगी, इसकी कम संभावना है। वहीं पार्टी ने इस मामले में प्रदेश सरकार की नीति को दमनकारी बताते हुए, आगे भी अपना विरोध जारी रखने की घोषणा की है। आप कार्यकर्ताओं को कार्यालय और घर में रोका गया तो सांसद और यूपी प्रभारी संजय सिंह ने एक्स पर पोस्ट करते सरकार को घेरा। उन्होंने लिखा कि न कोई आदेश है, न कोई कानून। यूपी पुलिस मनमानी तरीके से लोकतांत्रिक ढंग से आवाज उठाना भी बंद कर रही है।

बामुलाहिज़ा

कार्टून : हसन जैदी

बिहार में हम तो जीत रहे हैं: पप्पू यादव

बोले पूर्णिया सांसद- वोट की गिनती जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन पर है, यह पहले ही शुभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तारीखों की घोषणा के बाद पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वोट की गिनती जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन पर है, यह पहले ही हम लोगों की जीत है जनता की जीत होगी।

पप्पू यादव ने कहा कि इस चुनाव में मुख्यमंत्री या किसी व्यक्ति का मुद्दा नहीं है, बल्कि बिहार और बिहारी का मुद्दा है। उन्होंने एनडीए पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पिछले 16 वर्षों में उन्होंने बिहार की दुर्गति की है और मुख्य मुद्दे पलायन और बेरोजगारी हैं। बीजेपी के कार्यक्रमों के बाद ही क्यों तय हुई चुनाव की तिथियां- पप्पू यादव

पप्पू यादव ने चुनाव आयोग पर भी

गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने इतना बेशर्म चुनाव आयोग कभी नहीं देखा। पप्पू ने दावा किया कि बीजेपी कार्यालय ने चुनाव कार्यक्रम भेजा था, जिसे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पढ़ा। उन्होंने कहा कि अपूर्ण मेट्रो के उद्घाटन के तुरंत बाद चुनाव तिथियों की घोषणा की गई, जिससे निष्पक्षता पर संदेह पैदा होता है और पूरी बिहार की जनता इसके प्रति जागरूक है।

निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने राजद नेता तेजस्वी यादव के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी उन्होंने कहा कि मुद्दा नहीं है, व्यक्ति मुद्दा नहीं है। बिहार और बिहारी मुद्दा है, जनता मुद्दा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की रोजमर्रा की समस्याएं, रोजगार और पलायन जैसे मुद्दे ही चुनाव के मूल केंद्र में होने चाहिए। इससे पहले पप्पू यादव ने कांग्रेस पार्टी का समर्थन करते हुए, कहा था कि बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को कम से कम सौ सीटों पर उम्मीदवार उतारना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि 2025 में एनडीए गठबंधन हारेगा और महागठबंधन की सरकार बनेगी। पप्पू ने अपनी पार्टी जन अधिकार पार्टी के कांग्रेस में विलय पर भी जोर दिया।

चुनावों के ऐलान से चढ़ने लगा बिहार का सियासी पारा

सत्ता पक्ष व विपक्ष का अपनी-अपनी जीत का दावा

- एनडीए व इंडिया गठबंधनों ने कसे कमर
- छोटे दल भी उत्साह में, बड़े दलों की धड़कनें बढ़ीं
- 20 में सहनी चुनाव बाद एनडीए से हुए अलग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की घोषणा चुनाव आयोग ने कर दी है। अब सभी सियासी दल चुनावों की तैयारी में जुट गए हैं। सत्ता में बैठी एनडीए जहां सत्ता को बरकार रखने का दावा कर रही है वहीं विपक्षी महागठबंधन सत्ता में वापसी का मंशा जता रही है। वहीं राज्य की जनता की उम्मीदें आसमान पर हैं। इस बार के चुनाव में भी एनडीए की तरफ से नीतीश कुमार दमखम के साथ सीएम उम्मीदवार हैं। वहीं महागठबंधन ने अब तक किसी को सीएम फेस घोषित नहीं किया है। छोटे दल भी मैदान मारने के लिए जुगत लगाने लगे हैं। आरजेडी जरूर तेजस्वी यादव को सीएम फेस बता रही है और उसके नारों में भी तेजस्वी यादव ही हैं, लेकिन कांग्रेस की चुप्पी इस पर कायम है।

महागठबंधन में कांग्रेस दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है. असदुद्दीन ओवैसी इस बार भी बिहार में हैं और धोखे का हिसाब मांग रहे हैं. मगर इस बार कुछ नया भी है। प्रशांत किशोर यानी पीके और तेज प्रताप यादव पीएम और सीएम बनाने की रणनीति बनाने वाले पीके अब जन सुराज नाम की पार्टी बना चुके हैं। गांव-गांव का पैदल दौरा कर चुके हैं और लोगों को समझा रहे हैं कि एनडीए और महागठबंधन ने बिहार के लिए कुछ नहीं किया। वहीं लालू यादव के बड़े लाल तेज प्रताप यादव परिवार के साथ पार्टी से भी निकाले जाने के बाद नई पार्टी जनशक्ति जनता दल बना चुके हैं। मतलब अब वो आरजेडी वाले नहीं जेजेडी वाले हो गए हैं और वो भी उसके सुप्रीमो। सहनी चुनाव बाद फिर एनडीए से अलग हो गए और अब महागठबंधन में हैं। वहां 60-70 सीट और सरकार बनने पर डिप्टी सीएम की मांग कर रहे हैं। चिराग अब भी एनडीए में रहते-रहते बागी रुख अपना लेते हैं। वो भी ज्यादा सीटों के लिए दबाव बनाए हुए हैं। मांझी को भी अपनी पार्टी को राष्ट्रीय दर्ज दिलाने के लिए 10 सीटें चाहिए। वहीं कांग्रेस के तेवर इस बार सभी को चौंका रहे हैं। उसने डेढ़ दर्जन उम्मीदवारों के नाम भी तय कर लिए। दल बदलने वालों का भी तांता लगा हुआ है। तेज प्रताप या पीके में से किसके साथ ओवैसी जाते हैं और कौन सी पार्टी आखिरी क्षण में कब पाला बदलेगी, ये अगले कुछ दिनों में पता लग जाएगा। फिलहाल, चुनाव की घोषणा होते ही बिहार का तापमान बढ़ना तय है।

ये थीं 2020 बिहार चुनाव की खास बातें

बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में तीन चरणों में हुआ था। पहले चरण में 71 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव हुआ। दूसरे चरण में 94 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव हुआ और तीसरे चरण में 78 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव हुआ। वोटों की गिनती 10 नवंबर को हुआ। पहले चरण के चुनाव का गजट नोटिफिकेशन 1 अक्टूबर को जारी किया गया था। नामांकन करने की आखिरी डेट 8 अक्टूबर थी। नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 12 अक्टूबर थी। पहले चरण की वोटिंग 28 अक्टूबर को थी। दूसरे चरण के चुनाव का गजट नोटिफिकेशन 9 अक्टूबर को जारी किया गया था। नामांकन करने की आखिरी डेट 16 अक्टूबर थी। नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 19 अक्टूबर थी। दूसरे चरण की वोटिंग 3 नवंबर को थी। तीसरे चरण के चुनाव का गजट नोटिफिकेशन 13 अक्टूबर को जारी किया गया था। नामांकन करने की आखिरी डेट 20 अक्टूबर थी। नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 23 अक्टूबर थी। तीसरे चरण की वोटिंग 7 नवंबर को थी। बीजेपी, जेडीयू, हम, वीआईपी वाले एनडीए गठबंधन को 125 सीटें और आरजेडी, कांग्रेस और वामदलों के गठबंधन को 110 सीटें मिली थीं। आरजेडी 75, बीजेपी 74, जेडीयू 43, कांग्रेस 19, अन्य को 32 सीटें मिलीं। अन्य में सीपीआईएमएल 12, एआईआईएम 5, सीपीआई 2 सीपीएम 2, बसपा 1, हम 4, लोजपा 1, वीआईपी 4 सीटें मिलीं।

झामुमो का मजबूत जनाधार : विनोद पांडेय

पार्टी महासचिव विनोद पांडेय ने कहा, बिहार के कई सीमावर्ती जिलों में झामुमो का मजबूत जनाधार है। हम महागठबंधन के साझेदारों के साथ मिलकर अपनी बात मजबूती से रखेंगे। हमारा उद्देश्य बिहार में सामाजिक न्याय और विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाना है। इस बार की बैठक में तय होगा कि झामुमो को बिहार में कितनी सीटें मिलती हैं। पिछली बार के विधानसभा चुनाव में पार्टी की मांग आरजेडी से पूरी नहीं हो पाई थी। इस बार गठबंधन की एकजुटता और सीट समन्वय ही बिहार में इंडिया गठबंधन की ताकत साबित हो सकता है।

तेज प्रताप और प्रशांत किशोर ने बढ़ाई रौनक

इन दो चेहरों ने बिहार विधानसभा चुनाव में नई रौनक ला दी है। जीत-हार के समीकरण नये सिरे से गढ़े जा रहे हैं। विकास की नई उम्मीद लिए युवा और पढ़ा-लिखा तबका प्रशांत किशोर की तरफ देख रहा है। देख तो गरीबी में जकड़ा आम इंसान भी रहा है। हालांकि, वोटों में ये आकर्षण कितना तब्दील हो पाएगा, ये चुनाव बाद ही पता लग पाएगा। वहीं तेज प्रताप अपने पिता लालू यादव और उनकी पार्टी के मूल कैडर यादव प्लस मुस्लिम में एक और तड़का हिंदू जोड़ बड़ी उम्मीद लगाए बैठे हैं। तेज प्रताप का तो जाहिर है कि वो तेजस्वी यादव को डेंट करेंगे, मगर प्रशांत किशोर को लेकर एनडीए और महागठबंधन दोनों पशोपेश में हैं।

चिराग पासवान व मुकेश सहनी पर रहेगी नजर

वोट कटने और पशोपेश का ये पहला चुनाव नहीं है। 2020 के विधानसभा चुनाव को याद कीजिए तो चिराग पासवान बागी हो गए थे। वो खुद को मोदी का हनुमान बताते और नीतीश कुमार के खिलाफ अपने कैंडिडेट उतारकत उन्हें चुनौती दे रहे थे। नतीजा नीतीश कुमार की पार्टी महज 43 सीटों पर ही चुनाव जीत पाई। जीत तो चिराग पासवान भी नहीं पाए हां, उन्होंने नीतीश कुमार का नुकसान बड़ा कर दिया। नुकसान इतना बड़ा था कि उनकी पार्टी तीसरे नंबर पर पहुंच गई और उन्होंने सीएम बनने तक से इनकार कर दिया। मगर पीएम मोदी के समझाने पर वो सीएम बने। 2020 में चिराग पासवान की तरह मुकेश सहनी भी बागी हुए थे। वो भी लाइव में, महागठबंधन की तरफ से सीट बंटवारे का ऐलान प्रेस कांफ्रेंस में किया जा रहा था और मन-मुताबिक सीट नहीं मिलने पर वहां से उठकर सीधे एनडीए में चले गए और उस तरफ से उनकी पार्टी वीआईपी ने चुनाव लड़ा।

झामुमो 12 सीटों पर दावा करने की तैयारी

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू और पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय को बैठक में शामिल होने की जिम्मेदारी दी गई है। दोनों नेता शनिवार को पटना रवाना हो चुके हैं। बैठक में राजद के नेता तेजस्वी यादव की मौजूदगी तय मानी जा रही है। संभावना है कि इसी बैठक में बिहार विधानसभा चुनाव के लिए सीट शेयरिंग पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। पार्टी सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहले ही इस दिशा में रणनीति तैयार कर चुके हैं, ताकि गठबंधन में तालमेल बना रहे।

झामुमो और आरजेडी के रिश्तों को और मजबूत किया था

पिछले दिनों पटना में राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार रैली' में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी ने झामुमो और आरजेडी के रिश्तों को और मजबूत किया था। उस दौरान सोरेन ने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से भी शिष्टाचार भेंट की थी। भले ही सीट बंटवारे पर औपचारिक चर्चा नहीं हुई थी, लेकिन दोनों नेताओं ने आगामी विधानसभा चुनाव एकजुट होकर लड़ने की प्रतिबद्धता जताई थी। सूत्रों के अनुसार, झामुमो बिहार के सीमावर्ती जिलों में अपने संगठन और जनाधार को मजबूत मानता है और इस बार गठबंधन के भीतर कम से कम 12 विधानसभा सीटों पर दावा करने की तैयारी कर रहा है। जिन सीटों पर पार्टी का विशेष दावा बताया जा रहा है, उनमें तारापुर, कटोरिया, मनिहारी, झाझा, बांका, ठाकुरगंज, रूपौली, रामपुर, बनमनखी, जमालपुर, पीरपैंती और चकाई शामिल हैं।

4 का जवाब 24 से दिया जाएगा : औवैसी

सीमांचल में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने इंडिया गठबंधन और पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला। ओवैसी ने किशनगंज के बहादुरगंज में जनसभा के दौरान कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में बिहार की जनता से जिन चार विधायकों ने गद्दारी की और दूसरे दल में जा मिले। जिन लोगों ने ऐसा करवाया, उन्हें मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि चार का जवाब चौबीस से दिया जाएगा। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद का नाम लिए बिना कहा कि वह लोग सोच रहे थे कि चार को तोड़ लिए तो हमलोग कमजोर पड़ जाएंगे लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। ओवैसी ने पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि हम प्रधानमंत्री मोदी से कह रहे हैं कि इस काले कानून वक्फ को बनाकर आप सोचते हैं कि मस्जिदें, दरगाहें, खानकाहें और कब्रगाहें छीन ली जाएँगी। आप बहुत बड़ी भूल कर रहे हैं। हम मस्जिद नहीं छोड़ने वाले हैं। हम अपनी खानकाहों, दरगाहों और कब्रगाहों की जमीन नहीं छोड़ने वाले हैं। नीतीश कुमार, मोदी, चिराग पासवान और कुशवाहा साहब ने मिलकर ऐसा गंदा कानून बनाया है, जिसके जरिये वे हमारी मस्जिदें छीनना चाहते हैं। ऊपर वाले ने मुझे यह अवसर दिया कि मैं बोल सकूं। मैंने भारत की संसद में आप सभी की तरफ से खड़े होकर कहा कि हम इस काले कानून को स्वीकार नहीं करते। यह बाबा साहेब आंबेडकर के बनाए संविधान के खिलाफ है। मैंने संसद में कहा कि सुनो मोदी, अमित शाह, हम अपनी मस्जिद का कारोबार नहीं कर सकते। फिर, मैंने संसद में उस कागज को फाड़ दिया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिम्मेदार कौन : बच्चों की मौत से देश की छवि धूमिल

पहले कप सिरप मामले में मध्य प्रदेश व राजस्थान में कई बच्चों की मौत से देश की छवि खराब हुई। उसके बाद राजस्थान में ओटी में आग लगने कुछ मरीजों की जान चली गई। उस पर से इन राज्यों के प्रशासन के संवेदनहीन व्यवहार पीड़ितों के घावों पर नमक रगड़ गए। सवाल ये है मासूमों की मौत का जिम्मेदार कौन है। इनको कब सजा मिलेगी। राजस्थान में हालात और भी उलझे हुए हैं। सरकार द्वारा मुफ्त दवा योजना में बांटी जा रही डेक्स्ट्रोमेथॉर्फन-आधारित सिरप लेने के बाद सीकर, भरतपुर और बांसवाड़ा के कई बच्चों में गंभीर लक्षण दिखे, जैसे- उल्टी, चक्कर, बेहोशी और घबराहट। मध्य प्रदेश और राजस्थान से बच्चों की मौतों की जो खबरें आईं, उन्होंने पूरे देश की नींद उड़ा दी है। महज खांसी-जुकाम जैसी सामान्य बीमारी के लिए दी जाने वाली खांसी की दवा, बच्चों के जीवन पर इतनी घातक साबित होगी, इसकी कल्पना भी नहीं की गई थी। पिछले एक महीने में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 9 बच्चों की मौत और राजस्थान के विभिन्न जिलों में 3 बच्चों की मौत ने चिकित्सा व्यवस्था, दवा नियमन और प्रशासनिक सतर्कता, तीनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

महज खांसी-जुकाम जैसी सामान्य बीमारी के लिए दी जाने वाली खांसी की दवा, बच्चों के जीवन पर इतनी घातक साबित होगी, इसकी कल्पना भी नहीं की गई थी। पिछले एक महीने में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 9 बच्चों की मौत और राजस्थान के विभिन्न जिलों में 3 बच्चों की मौत ने चिकित्सा व्यवस्था, दवा नियमन और प्रशासनिक सतर्कता, तीनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हालांकि केंद्र सरकार ने साफ किया है कि मध्य प्रदेश से लिए गए 19 सैंपल्स में से 9 की जांच रिपोर्ट में डायथिलीन ग्लाइकोल या एथिलीन ग्लाइकोल जैसी जानलेवा रसायनों की मौजूदगी नहीं पाई गई है। हम आपको बता दें कि यह वही तत्व हैं जिन्होंने 2019 में जम्मू और 2022-23 में गाम्बिया व उज्बेकिस्तान जैसे देशों में भारतीय दवाओं को लेकर वैश्विक स्तर पर विवाद खड़ा हुआ। राजस्थान में हालात और भी उलझे हुए हैं। देखा जाये तो भारत दुनिया का फार्मेसी हब कहलाता है, लेकिन समय-समय पर घटिया दवाओं के मामले हमारी छवि को धूमिल करते हैं। सवाल यह है कि जब दवा कंपनियों के खिलाफ पहले से संदिग्ध रिपोर्ट थीं, तो उन्हें सरकारी योजनाओं में शामिल क्यों किया गया? साथ ही विशेषज्ञ लगातार कहते आए हैं कि दो साल से छोटे बच्चों को खांसी-जुकाम की दवाएं नहीं दी जानी चाहिए। लेकिन ग्रामीण और अर्धशहरी इलाकों में अक्सर बिना उचित परामर्श के इन्हें दिया जाता है। यही लापरवाही जानलेवा बनती है। केंद्र सरकार ने तो फिलहाल मप्र के सैंपल्स को सुरक्षित बताया है, लेकिन बाकी रिपोर्टें अभी आनी बाकी हैं। जब तक सभी जांच पूरी नहीं होतीं, तब तक कोई भी निष्कर्ष जल्दबाजी होगा। फिर भी राज्यों और केंद्र के बयानों में तालमेल की कमी आम जनता की चिंता बढ़ाती है। अक्सर देखने में आता है कि ग्रामीण परिवार खांसी-जुकाम को हल्का समझकर बच्चों को अपने आप ही दवाएं दे देते हैं। यहां यह समझना जरूरी है कि बच्चों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता अलग होती है और कई दवाओं के दुष्प्रभाव घातक हो सकते हैं।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राहुल के लिए घरेलू चुनौतियों पर ध्यान देना जरूरी

ज्योति मल्होत्रा

कोलंबिया के एनविगाडो से अपलोड की गई हालिया तसवीर में, राहुल गांधी ने अपनी पहचान का मार्का बनी सफेद टी-शर्ट की जगह नेवी ब्लू शर्ट, पफर जैकेट और खाकी कार्गो पैंट पहन रखी है; पृष्ठभूमि में बजाज ऑटो निर्मित पल्सर बाइक है। एक्स पर डाली इस फोटो के साथ संलग्न कमेंट है—'कोलंबिया में बजाज, हीरो और टीवीएस को इतना अच्छा प्रदर्शन करते देख गर्व हो रहा है। यह दर्शाता है कि भारतीय कंपनियां दोस्तवाद से नहीं बल्कि नवाचार से जीत सकती हैं।' लेकिन कांग्रेस पार्टी के सबसे महत्वपूर्ण नेता को जरूर पता होना चाहिए कि बजाज ऑटो के प्रबंध निदेशक राजीव बजाज के पिता राहुल बजाज- उदारीकरण से पहले युग में, लाइसेंस राज के दिनों में, जब भयानक लालफीताशाही से निबटने में सही लोगों तक पहुंच रखना जरूरी था- वे संरक्षणवाद के अग्रणी पैरोकार थे और उन्होंने आर्थिक सुधार के विचार के खिलाफ तगड़ी लड़ाई लड़ी थी।

बड़े पूंजीपतियों एवं उद्योगपतियों का गुट, बॉम्बे क्लब, सीनियर बजाज जिसके एक सक्रिय सदस्य थे, उसका जोर अपने कामकाज में आमूल-चूल सुधार की बजाय सामाजिक-राजनीतिक संबंधों पर ज्यादा था, गलाकाट महत्वाकांक्षा में उलझने की बजाय भाईचारा निभाने का बीते वक्त का सुलभ रास्ता, तथापि था तो दोस्तवाद ही। राहुल की सोशल मीडिया टिप्पणी गौरतलब है कि वे कोलंबिया और ब्राजील सहित चार दक्षिण अमेरिकी देशों में से पहले देश की यात्रा पर हैं - हालांकि कांग्रेस पार्टी ने यह नहीं बताया कि शेष दो मुल्क कौन से हैं। बीते गुरुवार को उन्होंने एनविगाडो स्थित ईआईए विश्वविद्यालय का दौरा किया, जहां उन्होंने भाजपा द्वारा 'भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर व्यापक हमले' के बारे में बात की।इंस टिप्पणी पर खूब आलोचना हुई कि कांग्रेस नेता विदेशी जमीं से सत्तारूढ़ पार्टी पर बार-बार हमला क्यों करते हैं, जिससे आगे ये प्रश्न उठते हैं क्या घरेलू राजनीति की आलोचना देश के भीतर तक ही सीमित रहनी चाहिए?

क्या आंतरिक राजनीतिक लड़ाई को विदेशी धरती तक ले जाकर राहुल पूरी तरह गलत कर रहे हैं? और तीसरा, कुछ हद तक असंबंधित प्रश्न, यह कि राहुल गांधी दक्षिण अमेरिका गए क्यों -ठीक वैसे ही जब कुछ महीने पहले

मलेशिया, अप्रैल में बोस्टन, और साल की शुरुआत में दो बार वियतनाम भी गए? यह लेख 2014 के बाद से राहुल की कथित 247 विदेश यात्राओं के बारे में नहीं है, जैसा कि भाजपा हमें यकीन दिलवाना चाहती है, जोकि सच नहीं है - निश्चित रूप से, कांग्रेस नेता को अपने विचार फैलाने, नई जगहों की यात्रा करने और नए लोगों को प्रभावित करने का हक है। हालांकि, अब समय आ गया है कि उस समस्या का सामना करने का जो पिछले कुछ वर्षों से भारत के लोकतंत्र के दिल में कुलबुला रहा है यानि सत्तारूढ़ भाजपा और भारत की सबसे महत्वपूर्ण विपक्षी पार्टी के बीच बढ़ती दरार। यह तनाव इस तथ्य से और बढ़ गया है कि नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से, पिछले एक दशक में कांग्रेस चुनाव-दर-चुनाव हारती गई है। लेकिन क्योंकि यह अभी भी देश की सबसे महत्वपूर्ण विपक्षी पार्टी बनी हुई है -भले ही कुछ सूबों में भाजपा की बजाय कुछ अन्य दल सत्तारूढ़ हैं, चाहे यह डीएमके, टीएमसी, 'आप' या फिर वाम मोर्चा हो, लेकिन वे गिनती में नहीं हैं- और कांग्रेस पर ही भाजपा के अनवरत और भयानक प्रहारों का निशाना रही है। यहां तक कि जवाहरलाल नेहरू जैसे राजनेता, जिन्होंने देश को एक आधुनिक, धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के पथ पर अग्रसर किया, निशाने पर हैं। पार्टी के सबसे ताकतवर व्यक्ति होने के नाते राहुल गांधी तो और भी आसान शिकार हैं, लेकिन उन्हें वह करना मंजूर नहीं कि नेता को कीलों वाली कुर्सी पर बैठना या कांटों का ताज पहनना पड़ता है। वे एक ऐसे व्यक्ति के रूप में दिखाई दे रहे हैं, जो पद से जुड़ी जिम्मेवारी निभाए बिना सत्ता चाहता है।

एक ऐसा व्यक्ति जिसका दिल सोने का है, जिसके निजी जीवन की त्रासदियां देवता तक को रुला दें-लेकिन वह जो अपने से बेहतर व्यक्ति के पक्ष में हटने से इनकार करता है (भगवान न करे), क्योंकि उन्हें लगता है कि बतौर नेता प्रतिपक्ष या इस पद के बिना भी, केंद्र वही हैं। कि अगर यह केंद्र नहीं टिकेगा, तो सब बिखर जाएगा। और यही आज भारतीय लोकतंत्र के मूल की एक दरार है = राहुल गांधी वह लोकतांत्रिक व्यक्ति हैं जो नरेंद्र मोदी को सत्ता में बनाए रखने की राह तैयार करते हैं। बाकी काम भाजपा कर लेती है। हो सकता है, यह वाकई एक कठोर निष्कर्ष हो। लेकिन सच्चाई यह है कि वह देश, जो हर दिन बदल रहा है, उसे राहुल की आलोचनाओं के अलावा अन्य विचारों की दरकार है, खासकर जब वह विदेश में हों।

नियति के प्रवाह संग बहने से ही जीवन उत्सव

डॉ. मधुसूदन शर्मा

जीवन के अनुभवों से तपा हुआ निष्कर्ष है कि 'इंसान बहुत पैसा कमा व नाम कमा ले' ये सब बाहरी चीजें हैं। जो चीज बाहर से आती है वो छीनी जा सकती हैं। फिर उसका क्या गुमान? ये सोचकर सरलता आती है कि जो पाया है वो यहीं रह जाना है। विडंबना यही है कि इस शाश्वत को जानते हुए भी मनुष्य सदियों से अज्ञान की गलियों में भटक रहा है।

भारतीय जीवन दर्शन की परंपरा में जीवन की नश्चरता के यथार्थ को गंभीरता के साथ स्वीकार किया गया है। हमें बताया गया है कि यदि जन्म और मृत्यु पर जब हमारा नियंत्रण नहीं है तो इसके बीच घटने वाले घटनाक्रम पर दंभ कैसा? संत कबीर भी देह की क्षण भंगुरता को कुछ इन शब्दों में अभिव्यक्त करते हैं—'पानी केरा बुदबुदा अस मानुस की जात/ देखत ही छिप जाएगा, ज्यों तारा परभात॥ अर्थात् मनुष्य का जीवन पानी के बुलबुले की तरह है जो पल भर में बनता और नष्ट हो जाता है। यह देह भी उसी तरह क्षणभंगुर है। एक दिन वैसे ही विलीन हो जाएगी, जैसे सुबह होते ही आकाश के तारे छिप जाते हैं। इस दोहे के माध्यम से कबीर यह संदेश देते हैं कि मनुष्य को अपने धन-दौलत और दूसरे भौतिक सुखों पर कभी अहंकार नहीं करना चाहिए।

जब शरीर ही अपना नहीं है और एक दिन नष्ट हो जाना है तो सांसारिक वस्तुओं और उपलब्धियों पर गर्व करना मूर्खता है। जीवन के अनुभवों से तपा हुआ निष्कर्ष है कि 'इंसान बहुत पैसा कमा व नाम कमा ले' ये सब बाहरी चीजें हैं। जो चीज बाहर से आती है वो छीनी जा सकती हैं। फिर उसका क्या गुमान? ये सोचकर सरलता आती है कि जो पाया है वो यहीं रह जाना है। विडंबना यही है कि इस शाश्वत को जानते हुए भी मनुष्य सदियों से अज्ञान की गलियों में भटक रहा है। 'नश्वरता' का बोध भारतीय चिंतन की गहन धारा में विद्यमान है। इसी चिंतन को भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में अर्जुन को इस प्रकार समझाया—'वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि। तथा शरीराणि विहाय जीर्णा-न्यन्यानि संयाति नवानि देही॥' अर्थात् जैसे मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्याग कर दूसरे नए वस्त्रो को ग्रहण करता है, वैसे ही जीवात्मा पुराने शरीर को त्याग कर नए शरीर को ग्रहण करती है। यह श्लोक अस्तित्व की सबसे बड़ी सच्चाई है। जब इस शरीर को ही एक दिन पुराने वस्त्र की भांति त्यागना है, तो फिर इस वस्त्र पर लगे चमकीले सितारों- धन, कीर्ति, पद प्रतिष्ठा का क्या अहंकार करना। बाहरी उपलब्धियां तो क्षणभंगुर हैं जो शरीर रूपी वस्त्र के छूटने के साथ ही समाप्त हो जाती हैं।

अगर नश्वरता का यह बोध हो जाए तो फिर अहंकार पिघल कर सहजता और सरलता में बदल जाता है। इस मायावी जगत में मनुष्य का सबसे बड़ा भ्रम 'मेरे' की भावना है। 'मेरा घर', 'मेरी गाड़ी', 'मेरा पद' इस 'मेरा-तेरा' के भ्रम में फंसकर मनुष्य जीवनपर्यंत परेशान रहता है। 'ईशावास्योपनिषद्' (शुक्ल यजुर्वेद) का पहला ही मंत्र इस 'मेरे' के भ्रम को तोड़ता है—'ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत्। इस श्लोक में बताया गया है कि इस सम्पूर्ण जगत में जो कुछ भी चेतन या जड़ है, वह सब परमात्मा से ओत-प्रोत है। इसलिए मनुष्य को त्याग की भावना से उनका उपयोग और उपभोग करना चाहिए।

किसी के धन की लालसा नहीं करनी चाहिए क्योंकि यह वास्तव में किसी का नहीं। इस जगत में न तो कुछ अपना है और न ही स्थाई। यह मंत्र हमे 'स्वामी' होने के दंभ से मुक्त करता है और 'संरक्षक' होने की विनम्रता सिखाता है। सच्चाई यही है कि हम इस दुनिया में किसी वस्तु के मालिक नहीं, बस केवल संरक्षक हैं। यहां हमें कुछ समय के लिए कुछ चीजों का उपयोग करने की जिम्मेदारी दी गई है, अगर एक बार यह दृष्टि विकसित हो गई तो व्यक्ति संग्रह की प्रवृत्ति को छोड़कर त्याग करना सीख जाता है। फलस्वरूप उसके व्यवहार में अहंकार के स्थान पर विनम्रता, कृतज्ञता, सहजता और सरलता आ जाती है। सहज और सरल जीवन जीने के लिए महर्षि पतंजलि ने योग दर्शन में दो महत्वपूर्ण सूत्र दिए हैं-एक अष्टांग योग में यम के अंतर्गत आने वाला 'अपरिग्रह' है और दूसरा नियम के अंतर्गत 'संतोष'। अपरिग्रह का अर्थ है- आवश्यकता से अधिक धन संग्रह न करना। अपरिग्रह हमे सिखाता है कि हम वस्तुओं के प्रति आसक्ति न रखें। यह एक गहन आंतरिक भाव है जो 'मेरे' के भ्रम पर सीधी चोट करता है। संतोष से व्यक्ति वर्तमान में जो है, जैसा भी है उसमे संतुष्ट रहता है। पतंजलि कहते हैं—'संतोषादनुत्तमः सुखलाभ।'

अर्थात् संतोष से परमसुख की प्राप्ति होती है। अब चाहे गीता का निष्काम कर्म हो, उपनिषदों का त्याग भाव या पतंजलि का संतोष और अपरिग्रह। कुल मिलाकर देखें तो ये सभी सूत्र हमें एक ही दिशा में ले जाते हैं—'जीवन को अधिक सहजता से लेना।' यह गहन धार्मिक समझ अंग्रेजी की इस उक्ति में सिमट जाती है—'टेक लाइफ ईजी ऐज इट कम्स' अर्थात जीवन को सहज भाव से जीना चाहिए। यानी वह जैसा भी है उसे उसी सहजता से स्वीकार कर लेना चाहिए। सहज भाव संतोष और स्वीकृति का शिखर होता है। इस भाव में न तो मन में कोई गांठ होती, न किसी से कोई शिकायत। बस जो भी हो रहा है उसके प्रति सहज साक्षी भाव होता है। हमें यह याद रखना चाहिए कि हम इस संसार के विराट नाटक के एक पात्र मात्र हैं, इसलिए नियति के प्रवाह के साथ बहना सीखें। जब हम जीवन को सहज भाव से लेने लगते हैं तो हर क्षण एक उत्सव होता है। फिर अंतर्मन सहजता, सरलता से भर उठता है।

घर पर ऐसे बनाएं टेस्टी भाखरवाड़ी

भारत देश अपनी विविधता की वजह से ही जाना जाता है। यहां हर राज्य का अपना अलग खाना और अलग पहनावा होता है। ऐसे में हर राज्य का अपना अलग स्नैक्स होता है। लेकिन महाराष्ट्र का स्नैक्स जोकि एक प्रिय महाराष्ट्रीयन नाश्ता है, लेकिन इसकी उत्पत्ति गुजरात में हुई है। सुनने में अजीब लगा न, लेकिन ये हक्कीकत है। इसे इस मौसम में चाय के साथ खाने से मौसम का मजा दोगुना हो जाता है, इसलिए लोग इसे बनाकर स्टोर कर लेते हैं।

भाखरवाड़ी का सामान

बेसन- 1 कप, मैदा- 1/2 कप, अजवाइन- 1/2 छोटा चम्मच, नमक स्वादानुसार, तेल - 2 बड़े चम्मच (मोयन के लिए), पानी - गूंथने के लिए।

मसाले की सामग्री

सूखा हुआ नारियल - 1/2 कप, सौंफ- 1 छोटा चम्मच, तिल- 1 बड़ा चम्मच, धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच, जीरा पाउडर- 1 छोटा चम्मच, अमचूर पाउडर- 1 छोटा चम्मच, हल्का गुड़ कद्दूकस किया हुआ- 1 बड़ा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर स्वादानुसार, नमक स्वादानुसार।

विधि

भाखरवाड़ी बनाने के लिए सबसे पहले तो इसका आटा तैयार करना है। इसके लिए एक बड़े से बाउल में बेसन, मैदा, नमक और अजवाइन मिलाएं। इसके बाद इसमें थोड़ा सा तेल डालें और इसे अच्छी तरह से गूंथ लें। जब ये हल्का-हल्का गुंथने लगे तो जरूरत के हिसाब से पानी डालें और आटे को पूरी तरह से गूंथ लें। ध्यान रखें कि इस आटे को आपको टाइट ही गूंथना है। जब ये गुंथ जाए तो आटे को 15-20 मिनट ढककर रख दें। इसके बाद बारी आती है स्टफिंग तैयार करने की तो उसके लिए सबसे पहले एक पैन में बिना तेल के तिल, सौंफ और सूखा नारियल हल्का भूनें। जब ये भुन जाए तो गैस बंद करके इसे ठंडा होने दें। सभी सामान को ठंडा होने के बाद इसमें गुड़, मिर्च, अमचूर, धनिया-जीरा पाउडर और नमक मिलाएं। अब इसे मिक्सर में डालकर ग्राइंड कर लें, ताकि ये एकदम महीन हो जाए। ये अगर मोटा रहेगा, तो भाखरवाड़ी के रोल सही से नहीं बनेंगे। जब मिश्रण तैयार हो जाए तो तो अब बारी आती है भाखरवाड़ी तैयार करने की तो उसके लिए तैयार आटे की लोई लेकर उसे पराठे की तरह बेल लें। अब इसपर मसाले को पूरे पर फैलाएं। अब धीरे-धीरे इसे टाइट रोल करें, किनारों को बंद करें। जब इसका रोल तैयार हो जाए तो उसे एक-एक इंच मोटे टुकड़ों में काट लें और फिर हल्के हाथ से दबा लें। इसके बाद कढ़ाई में तेल गर्म करें और मध्यम आंच पर भाखरवाड़ी के टुकड़े सुनहरा होने तक तलें। जब ये सुनहरा हो जाए तो इसे तेल से निकाल लें और टिश्यू पेपर पर रख लें, ताकि इसमे से अतिरिक्त तेल निकल जाए। इसे आप एक महीने तक स्टोर करके रख सकते हैं।

ऐसे बनाएं कोरियन चीला

बारिश के बाद ठंड शुरू होने लगती है तो ऐसे भूख लगना और कुछ क्रिस्पी और चटपटा खाने का मन करना लाजमी है। तो अगर घर पर बैठकर कोरियन सीरीज का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो कोरियन ड्रामा देखने के बाद इस मौसम में पकौड़े नहीं, बल्कि हॉट पॉट, किमची और डिपलिंग समेत वो सब खाने का मन करता है तो सीरीज में एक्ट्रेस अपने उप्पा के साथ खा रही होती है। अगर आप भी कोरियन स्नैक्स ट्राई करना चाहते हैं तो मानसून में हल्का और क्रिस्पी कोरियन स्टाइल पैनकेक परफेक्ट विकल्प है। यह झटपट तैयार हो जाने वाला स्नैक है जो आपको स्ट्रीट फूड का स्वाद देगा। कोरियन पैनकेक को Pajeon कहा जाता है, और इसे आप सब्जियों के साथ या बिना भी बना सकते हैं। इसमें खास बात यह है कि यह पैन फ्राय होता है और बहुत कम तेल में क्रिस्पी बनता है।

सामग्री

एक कप मैदा, दो चम्मच चावल का आटा, आधा कप बारीक कटी हरी प्याज, बारीक कटा गाजर, शिमला मिर्च पत्ता गोभी, दो कलियां कद्दूकस की हुई लहसुन, नमक, एक चम्मच सोया सॉस, घोल बनाने के लिए एक कप पानी, तलने के लिए रिफाइंड ऑयल, तेल या घी।

विधि

इस कोरियन चिला को बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरे में मैदा, चावल का आटा, नमक और पानी डालकर पतला घोल बनाएं। इसमें सारी कटी सब्ज़ियां, लहसुन और सोया सॉस मिलाएं। एक नॉनस्टिक तवा गरम करें और थोड़ा सा तेल डालें। अब घोल को पैन में डालें और चम्मच से थोड़ा फैला दें, जैसे चीला या डोसा फैलाते हैं। दोनों तरफ से गोल्डन ब्राउन और क्रिस्पी होने तक सेकें। चटनी या हॉट सॉस के साथ गर्मागर्म परोसें।

हंसना मना है

लड़की लड़के के गले लगकर बोली...कुछ ऐसा कहो की मेरा दिल जोरो से धड़क जाए, लड़का- ऐसे ही खड़ी रह चुपचाप... पीछे तेरा बाप खड़ा है...

पति (किताब पढ़ते हुए) - एक लेखक ने लिखा है कि पतियों को भी बोलने की आजादी होनी चाहिए... पत्नी (हंसते हुए) - देखो वो भी बेचारा लिख ही पाया, बोल नहीं पाया...

टीचर- कल होमवर्क नहीं किया तो मुर्गा बनाऊंगा। पप्पू - सर मुर्गा तो मैं नहीं खाता, आप चाहो तो मटर पनीर बना लेना पप्पू का जवाब सुनकर मास्टर जी ने कल के बजाए उसे आज ही मुर्गा बना दिया।

बेटा बाप से- पापा से साढू का रिश्ता क्या होता है, बाप- बेटा जब दो आदमी एक ही कंपनी से ठगे जाते हैं तो साढू कहलाते हैं... तभी वहां मम्मी आ गई, बस फिर क्या है तब से मम्मी गुस्से से लाल हैं.... और पापा डर के मारे पीले।

कहानी — शिकारी झाड़ियां

महाराज कृष्णदेव हर साल ठंड के मौसम में नगर के बाहर डेरा डाला करते थे। उन दिनों गीत-संगीत की महफिलें सजती और कभी किस्से कहानियों के दौर चला करते थे। महाराज ने दरबारियों से कहकर शिकार की तैयारियां करवाईं। इसके बाद शिकार के लिए निकलने लगे। उन्होंने तेनालीराम से शिकार पर साथ चलने को कहा। दरबारी कहने लगा, रहने दीजिए महाराज, तेनालीराम की उम्र हो चली है और अब वह शिकार पर जाएंगे तो जल्दी ही थक जाएंगे। सभी हंसने लगे, महाराज ने तेनालीराम से कहा कि वह उनके साथ शिकार पर चलें। जंगल में पहुंचकर महाराज को पास ही एक हिरण दिखाई दिया। राजा ने तीर कमान पर चढ़ाया हिरण वहां से भागने लगा और महाराज अपने घोड़े पर उसका पीछा करने लगे। तेनालीराम भी महाराज का पीछा करने लगे। जैसे ही महाराज ने हिरण पर निशाना साधा वो एक घनी झाड़ियों में जाने लगा। महाराज निशाना लगाने के लिए हिरण के पीछे झाड़ियों में जाने लगे। तभी तेनालीराम ने पीछे से महाराज को रुकने के लिए आवाज दी। तेनालीराम की आवाज से महाराज का ध्यान भंग हो गया और उनका निशाना चूक गया। महाराज ने तेनालीराम को डांटते हुए पूछा कि आखिर उसने उन्हें झाड़ियों में जाने क्यों नहीं दिया। महाराज की डांट सुनने पर भी तेनालीराम चुप्पी साधे रहे। महाराज के चुप होने पर तेनालीराम ने एक सैनिक को पेड़ पर चढ़कर झाड़ियों के उस पार देखने को कहा। तेनालीराम के कहने पर सैनिक ने देखा कि वह हिरण जिसका महाराज पीछा कर रहे थे, वो कंटीली झाड़ियों में फंसा हुआ है और बुरी तरह से लहूलुहान है। काफी देर तक प्रयास करने के बाद भी वह हिरण उन कंटीली झाड़ियों से निकल पाया और लड़खड़ाते हुए जंगल की ओर भाग गया। पेड़ से उतरकर सैनिक ने महाराज को पूरी आंखों देखी सुनाई। सैनिक की बात सुनकर महाराज को बड़ी हैरानी हुई। उन्होंने तेनालीराम से पूछा कि क्या उसे पहले से पता था कि वहां कंटीली झाड़ियां हैं। तेनालीराम ने कहा कि जंगल में कई ऐसी झाड़ियां होती हैं, जो व्यक्ति को लहूलुहान करके अधमरा छोड़ सकती है। मुझे शक था कि आगे ऐसी ही 'शिकारी झाड़ियां' हो सकती हैं। तेनालीराम की बात सुनकर महाराज उसकी सूझबूझ के एक बार फिर कायल हो गए। महाराज ने अन्य दरबारियों की ओर देखते हुए कहा कि तुम लोग नहीं चाहते थे कि तेनालीराम शिकार पर आए, लेकिन आज उसके ही कारण मेरी जान बची है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। करियर के क्षेत्र में उन्नति के योग हैं। आपके प्रयासों को पहचान मिलेगी और वरिष्ठों का सहयोग प्राप्त होगा। सेहत में सुधार होगा।

वृषभ आज आपका भाग्य पूरी तरह से साथ देगा। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। नौकरी में बदलाव का सोच रहे हैं तो यह समय अनुकूल है।

मिथुन आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं, लेकिन सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों को कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क आज आप अपनी रचनात्मकता पर ध्यान केंद्रित करेंगे। काम से लोग प्रभावित होंगे और आपको सराहना मिलेगी। अपनी योजनाओं को गति देंगे और आर्थिक सौदेबाजी में सफल रहेंगे।

सिंह आज का दिन आपके करियर में उतार-चढ़ाव ला सकता है। हालांकि, मित्रों और शुभचिंतकों का सहयोग मिलेगा। आय के नए स्रोत खुलने और बड़े धन लाभ की संभावना है।

कन्या आज आप अपनी निर्णय लेने की क्षमता से लाभ उठाएंगे। कार्यक्षेत्र में कामकाज के चलते व्यस्तता अधिक रहेगी, लेकिन सभी रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे।

तुला आज का दिन आपके लिए चुनौतियों से भरा हो सकता है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। कोई भी बड़ा निवेश सोच-समझकर करें। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक आज आपका पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की के योग हैं। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। व्यापार में लाभ होगा।

धनु आज आपको जुआ, सट्टा या लॉटरी जैसे जोखिम भरे कामों से बचना चाहिए। अपनी जुबान पर नियंत्रण रखें, अन्यथा परिवार में किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है।

मकर आज आपके लिए सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। कार्य और व्यापार में तरक्की मिलेगी। कार्यक्षेत्र में प्रबंधन से जुड़े मामले आपके पक्ष में रहेंगे।

कुम्भ आज का दिन आपके लिए कुछ खर्चों वाला हो सकता है, इसलिए बजट का ध्यान रखें। यात्रा पर जाने के योग हैं। विरोधी सक्रिय हो सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें।

मीन आज आपकी आय में वृद्धि हो सकती है। रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा। कार्यक्षेत्र में किए गए प्रयासों से लाभ मिलेगा। अनपेक्षित सफल अवसर, लचीलेपन की ज़रूरत है।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं महात्मा गांधी से मिली सीख आत्मविश्वास परिश्रम और प्यार को महत्व देता हूं: राजपाल यादव

राजपाल यादव इन दिनों आगामी फिल्म कैश-एम-कैश को लेकर चर्चा में हैं। विगत दिनों दिल्ली में इस फिल्म का पोस्टर लॉन्च किया गया। पोस्टर लॉन्च कार्यक्रम में पहुंचे राजपाल यादव ने महात्मा गांधी के जीवन मूल्यों और सीखों को याद किया। उन्होंने कहा कि जिंदगी में आत्मविश्वास, परिश्रम और प्यार बहुत जरूरी हैं। राजपाल यादव ने फिल्म कैश एम कैश के पोस्टर लॉन्च के मौके पर महात्मा गांधी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए जीवन में कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास के महत्व पर जोर दिया। अजीत सिन्हा द्वारा निर्देशित फिल्म कैश एम कैश में महात्मा गांधी के जीवन के मूल विचारों और उनकी नीतियों पर बनी है। फिल्म के निर्माताओं के अनुसार, फिल्म का पोस्टर महात्मा गांधी के चरखे पर एक अनूठा दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है, जो आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। फिल्म के पोस्टर लॉन्च के अवसर पर अभिनेता राजपाल यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता विजय गोयल और दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा भी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए राजपाल यादव ने महात्मा गांधी की शिक्षाओं को याद किया। राजपाल यादव ने कहा, वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी हैं। मैं बस इतना कहना चाहूंगा कि जब मैं कक्षा 3-4 में था, तब एक छोटी सी डायरी थी, जिसमें लिखा था, आत्मविश्वास, कड़ी मेहनत, प्रेम सफलता की कुंजी है। बाद में मैंने अपने जीवन में लगभग 200 शिक्षकों से यही शिक्षाएं सीखीं। राजपाल यादव ने आत्मविश्वास, कड़ी मेहनत और प्यार को अपने जीवन की तीन मिसाइलें बताया, जिन्होंने उन्हें जीवन में सफलता प्राप्त करने में मदद की है। राजपाल यादव ने कहा, इन लाइनों ने मुझे एक अलग तरह से छुआ। आज भी मैं इन तीन शब्दों को अपने साथ तीन मिसाइलों के रूप में रखता हूं।

फरवरी 2026 में विजय संग सात फेरे लेंगी रश्मिका मंदाना

साउथ फिल्म इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड तक के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। लंबे समय से जिन दो सितारों की लव-स्टोरी चर्चा में रही, वह अब एक नए मुकाम पर पहुंच चुकी है। जी हां, नेशनल क्रश कही जाने वालीं रश्मिका मंदाना और टॉलीवुड के सबसे चहेते सितारों में से एक विजय देवरकोंडा अब एक-दूसरे के हो चुके हैं। दोनों ने सगाई कर ली है और अब फैंस को शादी का इंतजार है।

विजय देवरकोंडा की टीम ने बात करते हुए इस बात की पुष्टि कर दी है कि रश्मिका और विजय अगले साल यानी फरवरी 2026 में शादी के बंधन में बंधेंगे। हालांकि, इस बारे में खुद रश्मिका या विजय ने कोई आधिकारिक पोस्ट या बयान अभी तक साझा नहीं किया है। लेकिन नजदीकी सूत्रों ने यह खुशखबरी फैंस तक पहुंचा दी है।

रश्मिका और विजय की दोस्ती और फिर नजदीकियां साल 2018 से चर्चा में हैं, जब दोनों पहली बार फिल्म गीता गोविंदम में साथ नजर आए थे। इसके बाद 2019 में आई डियर कॉमरेड ने उनके रिश्ते को और गहराई दी। ऑन-स्क्रीन उनकी केमिस्ट्री जितनी हिट रही, ऑफ-स्क्रीन उनकी बॉन्डिंग भी उतनी ही चर्चा का विषय बनी। फैंस ने कई बार दोनों को एक साथ ट्रैवल करते, इवेंट्स में स्पॉट होते और यहां तक कि छुट्टियों की तस्वीरें एक जैसे लोकेशन से शेयर करते देखा। यही वजह रही कि सोशल मीडिया पर लगातार दोनों के रिलेशनशिप को लेकर अफवाहें उड़ती रहीं। हालांकि, दोनों हमेशा इस सवाल से बचते रहे।

साल 2024 में इंटरव्यू में दोनों ने साफ कहा था कि वो सिंगल नहीं हैं, लेकिन पार्टनर का नाम उजागर करने से बचते रहे। अब जाकर उनकी सगाई की खबरों ने यह साबित कर दिया कि जिस रिश्ते को दोनों छुपाते आए, वही रिश्ता अब शादी के मुकाम तक पहुंच चुका है। हाल ही में एयरपोर्ट पर दोनों को एक ही कार से निकलते हुए देखा गया था, जिसने इन अफवाहों को और मजबूत कर दिया था। जहां तक करियर की बात है तो रश्मिका मंदाना हाल ही में फिल्म कुबेरा में नजर आईं, जिसमें उनके साथ धनुष और नागार्जुन जैसे दिग्गज सितारे थे। जल्द ही वो दिवाली 2025 पर रिलीज होने वाली थामा नाम की हॉरर-कॉमेडी में नजर आएंगी, जिसमें आयुष्मान खुराना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल भी हैं। इसके अलावा रश्मिका कॉकटेल 2, द गर्लफ्रेंड और मायसा जैसी फिल्मों में भी दिखाई देंगी।

वहीं विजय देवरकोंडा हाल ही में रिलीज हुई फिल्म किंगडम में नजर आए, जिसमें सत्यदेव और भाग्यश्री बोर्से भी अहम भूमिकाओं में थे। इस फिल्म का निर्माण स??ारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमा ने किया था।

जैसे ही सगाई की खबर पक्की हुई, सोशल मीडिया पर बधाइयों की बौछार शुरू हो गई। ट्विटर और इंस्टाग्राम पर फैंस ने दोनों की जोड़ी को ड्रीम कपल और साउथ का पावर कपल कहा। अब सभी की नजरें उनकी शादी पर टिकी हैं, जिसके फरवरी 2026 में होने की खबरें सामने आ रही हैं।

निर्देशक ने ट्विंकल से मंदाकिनी जैसा सीन देने को कहा तो एक्ट्रेस ने दिया मुंहतोड़ जवाब

ट्विंकल खन्ना इन दिनों अपने टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस टॉक शो में काजोल ट्विंकल के साथ होस्ट के तौर पर नजर आ रही हैं। शो के लेटेस्ट एपिसोड में वरुण धवन और आलिया भट्ट अतिथि के तौर पर नजर आए। इस दौरान ट्विंकल-काजोल ने वरुण-आलिया के साथ काफी मस्ती की और सभी ने अपने-अपने किस्से भी साझा किए। इसी दौरान ट्विंकल खन्ना ने भी एक किस्सा बताया, जब एक निर्देशक ने उन्हें मंदाकिनी जैसा सीन करने के लिए कहा था। जानिए ट्विंकल ने निर्देशक को दिया था क्या जवाब? शो के दौरान ट्विंकल-काजोल ने आलिया-वरुण से मेकर्स की किसी अजीबोगरीब डिमांड या घटना के बारे में पूछा। इस पर वरुण-आलिया के अलावा ट्विंकल ने खुद भी एक किस्सा साझा किया है। इस दौरान ट्विंकल ने बताया कि एक बार एक निर्देशक ने उन्हें फिल्म 'राम तेरी गंगा मैली' में मंदाकिनी के पॉपुलर सीन जैसा सीन देने को कहा था। ट्विंकल ने बताया कि इस पर उन्होंने निर्देशक को जवाब दिया कि 'तुम राज कपूर नहीं हो।' ट्विंकल के इस किस्से को साझा करने के बाद शो पर वरुण-आलिया समेत सभी लोग ठहाके मारकर हंसने लगे।

दरअसल, साल 1985 में आई राजकपूर द्वारा निर्देशित फिल्म 'राम तेरी गंगा मैली' में मंदाकिनी का एक सीन काफी मशहूर हुआ था। इस सीन में मंदाकिनी झरने के नीचे भीगती हैं, इस दौरान वो सफेद रंग की एक ट्रांसपैरेंट साड़ी पहने होती हैं। मंदाकिनी का यह सीन काफी विवादों में भी रहा था, लेकिन इस सीन ने फिल्म के हिट होने में भी काफी बड़ी भूमिका निभाई थी। इसके अलावा भी फिल्म में मंदाकिनी के कई बोल्ड सीन थे।

अजब-गजब | इस करोड़पति ने सादा जीवन जीने का निकाला अनोखा तरीका

रोजमर्रा की सादगी और लोगों से बातचीत करने के लिए की चौकीदार की नौकरी

जापान अपनी अमेजिंग टेक्नोलॉजी, अनुशासन से भरे जीवनशैली और वर्क कल्चर के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी दिलचस्प कहानी बताने जा रहे हैं, जो इस देश की एक अलग ही तस्वीर पेश करती है। यह कहानी है एक ऐसे शख्स की, जिसने करोड़ों रुपये की संपत्ति कमाने के बावजूद चमक-दमक वाली जिंदगी को ठुकरा कर सादगी भरा जीवन चुना। जी हां, यह शख्स करोड़पति होते हुए भी चौकीदार की नौकरी करता है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, जापान की राजधानी टोक्यो में रहने वाले 56 साल के कोइची मत्सुबारा हर साल करीब 30 मिलियन येन (1.83 करोड़ रुपये) कमाते हैं। यह रकम उन्हें उनके किराए की संपत्तियों और इनवेस्टमेंट से मिलती है। इसके बावजूद, उन्होंने अपनी जिंदगी में सादा रास्ता चुना और आज भी एक रेजिडेंशियल बिल्डिंग में चौकीदार की पार्ट-टाइम नौकरी करते हैं। मत्सुबारा का काम है बिल्डिंग की सफाई करना, आस-पास के इलाके का ध्यान रखना और वहां

के लोगों की मदद करना है। वह हफ्ते में तीन दिन काम करते हैं, हर दिन सिर्फ चार घंटे की शिफ्ट। इसके बदले में उन्हें करीब 100,000 येन (लगभग 60,000 रुपये) प्रति महीना मिलता है। जो SCMP के अनुसार, टोक्यो की एवरेज मंथली सैलरी 350,000 येन (2.1 लाख रुपये) से काफी ज्यादा कम है। कोइची मत्सुबारा बताते हैं- मेरे पास पैसा है, लेकिन मैं सादगी से जीना पसंद करता हूं। उनका मानना है कि लग्जरी जीवन भले दिखने में आकर्षक लगे, लेकिन यह जरूरी नहीं कि वह सुकून भी दे। वह बताते हैं- काम करने से मुझे खुशी और मन की शांति मिलती है। मैं खुद को एक्टिव महसूस करता हूं, और यही मेरे लिए सबसे बड़ी कमाई है। उन्हें चौकीदारी का काम इसलिए पसंद है क्योंकि इससे उन्हें रोजमर्रा की सादगी और लोगों से बात चीत का अनुभव होता है। मत्सुबारा कहते हैं कि लोगों की मदद करना और समाज के बीच रहना उन्हें जीवन का सच्चा आनंद देता है।

मत्सुबारा का बचपन एक साधारण परिवार में बीता। सेकेंडरी स्कूल खत्म करने के बाद उन्होंने एक फैक्ट्री में 180,000 येन (1,220 अमेरिकी डॉलर) सैलरी पर नौकरी शुरू की थी। लेकिन, वह बचपन से ही कंट्रोल में खर्च करते थे। कुछ सालों में उन्होंने करीब 30 लाख येन (20,000 डॉलर) बचाए और उसी से अपना पहला स्टूडियो अपार्टमेंट खरीदा। धीरे-धीरे उन्होंने कई प्रॉपर्टी खरीदीं और उन्हें किराए पर देकर एक अच्छा इनकम का सोर्स बना लिया। इस तरह उनके इनवेस्टमेंट की बदौलत उनकी संपत्ति बढ़ती चली गई। उनकी सादगी, सोच और मेहनत की वजह से जापानी मीडिया ने उन्हें (अदृश्य करोड़पति) का नाम दिया- क्योंकि करोड़पति होने के बावजूद वह बिलकुल आम आदमी की तरह सादगी से जिंदगी जीते हैं।

घर जाने की इतनी जल्दी....लग गया जाम तो 65 किमी के लिए बुक कर लिया हेलीकॉप्टर

चीन में नेशनल डे हॉलिडे के दौरान अमीरों की लग्जरी ने फिर सुर्खियां बटोरी। योंगझोउ शहर के दो कजिन्स, टैंग और चेन, ने घर लौटने के लिए सड़क के बजाय हवाई मार्ग को चुना। उनका घर 65 किलोमीटर दूर था। लेकिन दोनों सड़क के ट्रैफिक में फंसना नहीं चाहते थे। इस वजह से उन्होंने हेलीकॉप्टर बुक कर लिया। मात्र 15 मिनट में ही वो अपने घर पहुंच गए। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने लोगों को सड़कों का हाल दिखाया। इसमें गाड़ियों की लंबी कतार देखने को मिली। अगर उन्होंने भी सड़क मार्ग यूज किया होता तो वो भी ट्रैफिक में ही फंसे रह गए होते। ऐसे में मात्र 65 किलोमीटर के रास्ते के लिए उन्होंने हेलीकॉप्टर बुक कर लिया। 65 किलोमीटर के छोटे से फासले को तय करने के लिए उन्होंने प्राइवेट हेलीकॉप्टर बुक कर लिया, जिसने उन्हें मात्र 15 मिनट में घर पहुंचा दिया। लेकिन वो महाजाम से बच गए। टैंग ने अपनी यात्रा का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसमें नीचे घंटों से जकड़े ट्रैफिक जाम की तस्वीरें दिखाई गई। यह वीडियो तेजी से वायरल हो गया, और नेटिजन्स ईर्ष्या से भर गए। अमीरी हो तो ऐसी! टैंग ने बताया कि वे योंगझोउ के शहरी इलाके से डोंगआन काउंटी के लुमाकियाओ टाउन के अपने पैतृक गांव लौट रहे थे। घटना 4 अक्टूबर को हुई, जब चीन में गोल्डन वीक हॉलिडे की शुरुआत हुई थी। इस दौरान करोड़ों लोग घर लौटने के लिए सड़कों पर उतर पड़े, जिससे हाईवे पर भारी जाम लग गया। चेन, जो एक प्राइवेट पायलट हैं, ने कहा, सड़क पर दो घंटे लग जाते, लेकिन हेलीकॉप्टर ने सब आसान कर दिया। हमने आसमान से ट्रैफिक को देखा और हंसने लगे। वीडियो में हेलीकॉप्टर के अंदर का लाइव व्यू दिखाया गया, जहां दोनों कजिन्स खुशी से चैट कर रहे थे। नीचे कारों की लंबी कतारें नजर आ रही थीं, जो हॉलिडे ट्रैवल का प्रतीक बन चुकी है। चेन ने आगे बताया कि उनके गांव में हवाई यात्रा कोई नई बात नहीं है। कई ग्रामीण पहले भी उनके प्लेन या हेलीकॉप्टर में उड़ चुके हैं। लोग इसे बस एक और ट्रांसपोर्ट मोड मानते हैं, उन्होंने कहा। लेकिन पीक टाइम में आसमान भी जाम हो जाता है। फ्लाइट ट्रेनिंग के दौरान 10 से ज्यादा प्लेन्स हवा में कतार में लग जाते हैं। यानी चीन में अब सड़क के साथ ही साथ हवाई ट्रैफिक की समस्या भी शुरू होने लगी है। हालांकि, सड़कों जैसा हाल होने में अभी और कई साल लगेंगे।

प्राकृतिक आपदा का राजनीतिकरण कर रहे पीएम : ममता

बीजेपी सांसद पर हुए हमले पर छिड़ा सियासी घमासान

» पीएम मोदी बोले- यह घटना टीएमसी की असंवेदनशीलता और राज्य की दयनीय कानून-व्यवस्था को दर्शाती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद खगेन मुर्मू और विधायक शंकर घोष पर हमले के बाद सियासी घमासान छिड़ गया है। जानकारी के अनुसार मालदा उत्तर से सांसद मुर्मू इस हमले में गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह हमला उस समय हुआ जब दोनों जनप्रतिनिधि बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्रों में का जायजा लेने पहुंचे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। वहीं पीएम मोदी की प्रतिक्रिया के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी पलटवार किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, पश्चिम बंगाल में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों की सेवा करने वाले हमारे पार्टी सहयोगियों, जिनमें एक वर्तमान सांसद और विधायक भी शामिल हैं, पर जिस तरह से हमला किया गया, वह बेहद निंदनीय है।

यह तृणमूल कांग्रेस की असंवेदनशीलता और राज्य की दयनीय कानून-व्यवस्था को दर्शाता है। सीएम ममता बनर्जी ने अपने एक्स हैंडल पर पलटवार करते हुए लिखा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण और बेहद चिंताजनक है कि भारत के प्रधानमंत्री ने उचित जांच का इंतजार किए बिना ही एक प्राकृतिक आपदा का राजनीतिकरण करने का फैसला किया है, खासकर तब जब उत्तर बंगाल के लोग विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन के बाद की स्थिति से जूझ रहे हैं। जब पूरा स्थानीय प्रशासन और पुलिस राहत और बचाव कार्यों में व्यस्त हैं, तब भाजपा नेताओं ने केंद्रीय बलों की सुरक्षा में कारों के एक बड़े काफिले के साथ प्रभावित इलाकों में जाने का फैसला किया, और वह भी स्थानीय पुलिस और प्रशासन को बिना कोई सूचना दिए। इस घटना के लिए राज्य प्रशासन, स्थानीय पुलिस या तृणमूल कांग्रेस को कैसे दोषी ठहराया जा सकता है? प्रधानमंत्री ने बिना किसी प्रमाणित सबूत, क़ानूनी जांच या प्रशासनिक रिपोर्ट के सीधे तौर पर तृणमूल कांग्रेस और पश्चिम बंगाल सरकार को दोषी ठहराया है। यह सिर्फ एक राजनीतिक पतन नहीं है, बल्कि उस संवैधानिक मूल्यों का उल्लंघन है जिसकी रक्षा करने की शपथ प्रधानमंत्री ने ली है। किसी भी लोकतंत्र में क़ानून को अपना काम करना चाहिए, और सिर्फ उचित प्रक्रिया ही दोषसिद्धि का निर्धारण कर सकती है - किसी राजनीतिक मंच से किया गया ट्वीट नहीं।

सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस से जुड़े लोगों का हाथ: मालवीय

इस घटना को लेकर भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने दावा किया कि इस घटना के पीछे सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस से जुड़े लोगों का हाथ है। उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भी आलोचना की।अमित मालवीय ने एक्स पोस्ट में लिखा, उत्तरी मालदा से दो बार सांसद रहे और सम्मानित आदिवासी नेता, भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर टीएमसी के लोगों ने उस समय हमला किया, जब वे जलपाईगुड़ी के दुआर्स क्षेत्र के नागराकाटा में बारिश और बाढ़ के बाद राहत व बचाव कार्यों में मदद करने जा रहे थे।

लोगों का रुख ही मेरा रुख है : सिद्धारमैया

» अलग लिंगायत धर्म की मांग पर बोले मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने लिंगायतों को एक अलग धर्म के रूप में मान्यता देने की मांग से जुड़े सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि लिंगायतों को एक अलग धर्म मानने की मांग एक पूर्व-भूमि का मामला है। न पूर्व-भूमि का, न ही पृष्ठभूमि का। कुछ एकांतप्रिय स्वामीजी इस बारे में बात करते हैं। जब मंत्री शिवराज थंगाडगी ने उन्हें बताया कि पत्रकार इस मुद्दे पर उनकी राय जानना चाहते हैं, तो मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने तीखी प्रतिक्रिया दी, हां! इस पर मेरा कोई रुख नहीं है। जनता का रुख ही मेरा रुख है।

थंगाडगी ने सहमति जताते हुए कहा कि सरकार जनता के नज़रिए से सहमत है। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में कोई क्रांति या प्रांती नहीं होगी। लिंगायत समुदाय ने अपने कई संतों के नेतृत्व में, रविवार को लिंगायत मातादीशारा ओक्कुटा द्वारा आयोजित बसव संस्कृति अभियान-2025 के समापन समारोह में एक अलग धर्म के रूप में मान्यता की अपनी मांग दोहराई। पारित किए गए पांच प्रस्तावों में लिंगायतों के लिए धार्मिक मान्यता के बारे में जागरूकता बढ़ाना भी शामिल था। 2018 में तत्कालीन सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार द्वारा लिंगायतों को धार्मिक अल्पसंख्यक का दर्जा देने की सिफ़ारिश करने के कदम ने कथित तौर पर लिंगायत-बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में चुनावी हार में योगदान दिया। समुदाय खुद भी विभाजित है: एक समूह का तर्क है कि लिंगायत और वीरशैव एक ही हैं, जबकि दूसरा समूह लिंगायतों के लिए अलग मान्यता चाहता है और वीरशैव को हिंदू धर्म के सात शैव संप्रदायों में से एक मानता है। यह विभाजन रविवार को स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जब भाजपा से जुड़े नेताओं और अखिल भारत वीरशैव महासभा के सदस्यों ने इस कार्यक्रम से दूरी बनाए रखी।

कितने विदेशी निकाले ये बता देते तो उनकी पोल और खुल जाती : जयराम

» कांग्रेस नेता ने चुनाव आयोग पर फिर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद बीते दिन चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव की भी घोषणा कर दी है। हालांकि, एसआईआ र विवाद अभी भी जारी है। विपक्ष लगातार इसपर सवाल खड़े कर रहा है। इसी कड़ी में कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। जयराम रमेश का कहना है कि चुनाव आयोग में इतना साहस नहीं है कि वो सभी को बता सकें कि एसआईआर दौरान बिहार की मतदाता सूची से कितने विदेशियों का नाम हटाया गया है? कांग्रेस नेता जयराम रमेश के अनुसार, अगर चुनाव आयोग ने बताया होता कि मतदाता सूची से कितने गैर-नागरिकों को निकाला गया है, तो स्थिति और भी ज्यादा साफ हो जाती।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक अंग्रेजी अखबार का संपादकीय शेयर करते हुए कहा, इससे पता चलता है कि बिहार में एसआईआर करवाने के बावजूद चुनाव आयोग पूर्णता, समानता और सटीकता के पहलुओं पर फेल हो गया है बता दें कि सुप्रीम कोर्ट आज स्ट्रक पर सुनवाई करेगा। इससे पहले 8 सितंबर को सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग को आदेश दिया था कि एसआईआर प्रक्रिया में आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज के रूप में शामिल किया जाए। चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतदाताओं की फाइनल सूची जारी की थी। इसके अनुसार, बिहार में 24 जून 2025 तक 7.42 करोड़ मतदाता हैं, जिनकी संख्या पहले 7.89 करोड़ थी। चुनाव आयोग ने प्रेस रिलीज जारी करते हुए बताया था कि ड्राफ्ट लिस्ट से 65 लाख मतदाता हटाए गए हैं। ऐसे में 1 अगस्त 2025 तक ड्राफ्ट लिस्ट में वोटर्स की संख्या 7.24 करोड़ थी।

मुंबई में दिखेगी ठाकरे की शक्ति : राउत

» मातोश्री में राज-उद्धव मिलन के बाद बोले शिवसेन यूबीटी सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे की अपने चचेरे भाई मनसे प्रमुख राज ठाकरे के साथ बैठक के एक दिन बाद सांसद संजय राउत ने कहा कि उनकी चर्चा राजनीतिक थी और नगर निकाय चुनावों से पहले दोनों दलों के बीच गठबंधन दिल और दिमाग से किया जाएगा। पत्रकारों से बात करते हुए, राउत ने कहा कि ठाकरे भाइयों के बीच व्यक्तिगत और राजनीतिक संबंध मज़बूत हो गए हैं, और अगर कोई उन्हें तोड़ने की बहुत कोशिश भी करे, तो बातचीत बहुत आगे बढ़ चुकी है।

उन्होंने सत्तारूढ़ भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा, मुंबई का मेयर असली भगवा रंग वाला एक मराठी होगा। वह दिल्ली के आगे झुकने वाला नहीं होगा। रविवार को उद्धव और राज के बीच हुई मुलाकात का जिक्र करते हुए राउत ने कहा, चर्चा राजनीतिक थी। कभी ठंडे रिश्तों वाले ये चचेरे भाई रविवार को बांद्रा में राउत के पोते के नामकरण समारोह के दौरान मिले। इसके बाद राज उपनगर स्थित उद्धव के आवास मातोश्री गए और उनसे बातचीत की। 5 जुलाई के बाद से दोनों नेताओं की यह पांचवीं बार सार्वजनिक रूप से मुलाकात है। राउत ने कहा, यह गठबंधन दिल और दिमाग से बनेगा। यह कोई राजनीतिक गठबंधन नहीं है। यह तन-मन-धन से बना गठबंधन है।

नगर निकाय चुनावों से पहले दोनों दलों के बीच गठबंधन दिल और दिमाग से किया जाएगा

यह पूछे जाने पर कि क्या महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) महा विकास अघाड़ी (एमवीए) का हिस्सा बनेगी, शिवसेना नेता ने कहा कि इस सवाल का जवाब केवल राज ही दे सकते हैं। उन्होंने कहा, एमवीए का गठन तीन प्रमुख दलों से मिलकर हुआ था। एमएनएस एक स्वतंत्र पार्टी है। शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस (नगरीय निकाय चुनावों के लिए) के बीच बातचीत चल रही है। हालाँकि, एमवीए के साथ संबंध अच्छे हैं और राज ठाकरे के एमवीए नेताओं के साथ अच्छे संबंध हैं। उन्होंने बताया कि एमवीए का गठन राज्य विधानसभा के लिए किया गया था और पार्टी नगरीय निकाय चुनावों के लिए एक नया फॉर्मूला लेकर आएगी।

ऋषभ पंत रणजी ट्रॉफी से कर सकते हैं वापसी

» चोटिल विकेटकीपर को मेडिकल टीम से मंजूरी का इंतजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत जल्द ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पंत अक्तूबर के आखिरी हफ्ते में दिल्ली की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलते नजर आ सकते हैं। बता दें कि, बाएं हाथ के बल्लेबाज इंग्लैंड दौरे पर चोटिल हो गए थे। उनके दाएं पैर में चोट आई थी, इसके बावजूद वह अगले दिन बल्लेबाजी के लिए उतरे जिससे स्थिति और बिगड़ गई थी। इसी वजह से उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज और ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुने गए स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया।

बीसीसीआई से जुड़े सूत्र के हवाले से कहा, पंत के दाएं पैर की जांच इस हफ्ते बीसीसीआई के सीओई में मेडिकल टीम द्वारा की जाएगी। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो उन्हें 10 अक्तूबर तक खेलने की मंजूरी मिल सकती है। यह उनके लिए लंबा रिकवरी पीरियड रहा है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। इस रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि पंत ने दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली को सूचित किया है कि वह 25 अक्तूबर से शुरू होने वाले रणजी मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध हो सकते हैं, बशर्ते उन्हें मेडिकल टीम से फिटनेस क्लियरेंस मिल जाए। डीडीसीए के एक अधिकारी ने बताया, पंत ने अभी तक किसी तारीख की पुष्टि नहीं की है कि वह दिल्ली कैंप से कब जुड़ेंगे। पहले वह सीओई से मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। 15 अक्तूबर से शुरू होने वाले पहले रणजी मैच में खेलना थोड़ा मुश्किल लग रहा है, लेकिन अगर वह उपलब्ध हुए तो टीम की कप्तानी भी करेंगे। भारत को 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज खेलनी है। पंत 5 नवंबर तक दो रणजी मैच खेल सकते हैं, जिससे उन्हें टेस्ट सीरीज से पहले मैदान पर वापसी का मौका मिलेगा।

वनडे और टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ आगामी घरेलू वनडे और टी20 सीरीज के लिए अपनी टीमों की घोषणा कर दी है। यह सीरीज 19 अक्तूबर से शुरू होगी। वनडे टीम में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और ओपनर मैथ्यू शॉर्ट की वापसी हुई है। स्टार्क ने पिछले महीने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी, लेकिन अब वे भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ 50 ओवर के प्रारूप में मैदान में उतरेंगे। भारत ने भी हाल ही में वनडे और टी20 टीम की घोषणा की थी। वनडे में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की वापसी हो रही है, जबकि शुभमन गिल अब भारत की वनडे टीम की कमान संभालेंगे। ऑस्ट्रेलिया के नियमित कप्तान पैट कमिंस चोट के कारण इस सीरीज से बाहर हैं। ऐसे में टी20 टीम के कप्तान मिचेल मार्श वनडे और टी20 दोनों प्रारूपों में टीम का नेतृत्व करेंगे। मार्श के पास पहले से ही कप्तानी का अनुभव है और भारत जैसी चुनौतीपूर्ण टीम के खिलाफ यह उनके लिए खुद को साबित करने का बड़ा मौका होगा।

6 और 11 एनडीए नौ दो ग्यारह: लालू यादव

» चुनाव का ऐलान होते ही राजद प्रमुख ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने मंगलवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पर कटाक्ष करते हुए दावा किया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में उन्हें हार का सामना करना पड़ेगा। राजग में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) शामिल हैं।

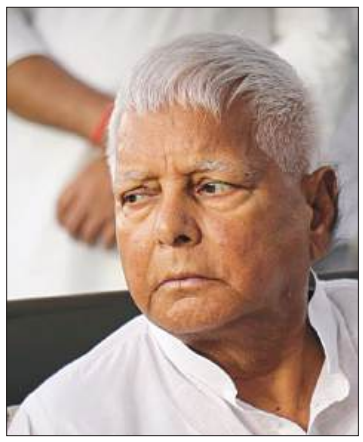

लालू यादव ने चुनाव आयोग द्वारा बिहार में दो चरणों में 6 नवंबर और 11 नवंबर को मतदान की घोषणा के बाद एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि छह और ग्यारह, एनडीए नौ दो ग्यारह। चुनाव आयोग ने सोमवार को सभी 243 विधानसभा सीटों के लिए तारीखों की घोषणा कर दी, और मतगणना 14 नवंबर को होगी। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव तिथियों की घोषणा के बाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं और विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को एक बार फिर निर्णायक जनादेश मिलेगा। शाह ने बिहार के लोगों को लोकतंत्र के महापर्व की बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने बिहार को जंगलराज से मुक्त कराकर विकास और सुशासन के पथ पर मजबूती से स्थापित किया है।

एक्स पर एक पोस्ट में, केंद्रीय मंत्री ने कहा, चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनावों की घोषणा कर दी है। लोकतंत्र के इस महापर्व के लिए बिहार के सभी लोगों को बधाई। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी बिहार चुनावों की घोषणा का स्वागत करते हुए इसे लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव बताया। नड्डा ने ङ्क पर एक पोस्ट में कहा, मैं आज भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा का स्वागत करता हूँ। चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव है। ये देश और राज्य को विकास और सुशासन के पथ पर अग्रसर रखने का प्राथमिक साधन हैं।

बिहार को दहाड़ने वाला सीएम चाहिए : तेजस्वी यादव

तेजस्वी यादव ने बिहार चुनाव की तारीखों के ऐलान पर मौजूदा सरकार को नकारा बताते हुए सत्ता परिवर्तन का बिगुल फूंका है। उन्होंने नीतीश कुमार पर अक्षमता और भ्रष्टाचार-अपराध के बीस साल देने का आरोप लगाया, साथ ही महागठबंधन की सरकार बनने पर हर युवा को नौकरी और बेरोजगारी खत्म करने का वादा किया। यह बयान सत्ता विरोधी लहर को भुनाने और युवा मतदाताओं को लुभाने की राजद की रणनीति दर्शाता है। बिहार चुनाव की तारीखों पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि 14 नवंबर की तारीख इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखी जाएगी। बिहार की जनता बदलाव चाहती है। इस बार महागठबंधन की सरकार चाहिए। 20 साल तक उन्होंने राज्य को अपराध, भ्रष्टाचार, अफसरशाही, अत्याचार और घोटाला दिया। बिहार की जनता अब इससे तंग आ चुकी है। सीएम अपने होश में नहीं हैं। तेजस्वी ने आगे कहा कि हमें गिड़गिड़ाने वाला सीएम नहीं, शेर की तरह दहाड़ने वाला सीएम चाहिए। कोई ऐसा जो बिहार की जनता के हक की लड़ाई लड़ सके और उन्हें न्याय दिला सके। उन्होंने कहा कि महागठबंधन सरकार बनाएगा... जब तेजस्वी सीएम बनेंगे, तो बिहार का कोई भी घर ऐसा नहीं होगा जिसमें बेरोजगार युवा न हो। तेजस्वी आएंगे, तो सबको नौकरी देंगे। बिहार से बेरोजगारी जड़ से खत्म हो जाएगी। आज से एक उत्सव शुरू हो रहा है... तेजस्वी के साथ, इस बार हर बिहारी सीएम होगा, वो सीएम होगा - चेंज मेकर।

सीएम नीतीश कुमार अपने होश में नहीं

सीएम नीतीश पर वार करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि वह अपने होश में नहीं हैं। वह अब बिहार पर शासन करने के लायक नहीं हैं। तेजस्वी जो कहते हैं, यह निक्कामी, नकलची सरकार वही करती है। उन्होंने अपना विजन नहीं बताया है...महागठबंधन इस बार सरकार बनाएगा और हर बिहारी सीएम होगा - चेंज मेकर। आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा कि चुनाव आयुक्तों की आज की आधिकारिक घोषणा के बाद, बिहार चुनाव आधिकारिक तौर पर शुरू हो गए हैं। आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है... हमें चुनाव आयोग के रूप में एक रेफरी की ज़रूरत है, जो किसी भी पार्टी का पक्ष न ले।

महागठबंधन में सीट बंटवारा तय, राजद 125 पर तो कांग्रेस को 55-57 सीटें

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला कथित तौर पर अंतिम रूप ले चुका है। सूत्रों के अनुसार, महागठबंधन आज पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आधिकारिक तौर पर सीटों के बंटवारे की घोषणा कर सकता है। अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) गठबंधन में वरिष्ठ सहयोगी की भूमिका निभा सकता है, जबकि कांग्रेस केवल 55-57 सीटों के साथ समझौता करती दिख रही है और पटना जिले की सभी सीटें छोड़ रही है।प्रस्तावित सीट बंटवारे में कथित तौर पर राजद को 125 सीटें, कांग्रेस को 55 से 57 सीटें, वाम दलों को 35 सीटें, मुकेश साहनी की वीआईपी पार्टी को 20 सीटें, पशुपति पारस को तीन सीटें और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) को दो सीटें आवंटित की गई हैं। हालाँकि, सटीक वितरण को लेकर कांग्रेस और राजद के बीच मतभेद बने हुए हैं, हालाँकि दोनों दलों के नेताओं का दावा है कि सब कुछ तय हो चुका है। कांग्रेस और राजद के बीच मुख्य विवाद कांग्रेस को आवंटित सीटों की संख्या को लेकर है। कांग्रेस कथित तौर पर 78 सीटों की मांग कर रही है, जबकि राजद नेता तेजस्वी यादव कथित तौर पर केवल 48 सीटें देने को तैयार हैं। दोनों दलों के बीच लगभग 55 सीटों पर समझौता होने की उम्मीद है।

केजरीवाल के लिए आप ने जीती कानूनी लड़ाई

» लोधी एस्टेट में अब नया आशियाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने केंद्र सरकार के साथ लंबी कानूनी लड़ाई के बाद, अपने राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 95 लोधी एस्टेट स्थित टाइप 7 बंगला आवंटित करवा लिया है। यह बंगला पहले भाजपा नेता और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा को आवंटित किया गया था, जिन्होंने पंजाब से चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे।

कानूनी लड़ाई तब शुरू हुई जब केजरीवाल ने 2024 में सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। पूर्व मुख्यमंत्री और उनके परिवार ने अक्टूबर 2024 में सिविल लाइंस में 6 फ्लैगस्टाफ मार्ग स्थित आवास खाली कर दिया। कई राज्यों के विपरीत, दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्रियों को सरकारी आवास आवंटित करने का प्रावधान नहीं है, जिससे आप को अपने नेता के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ रही है। आप के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल, जो वर्तमान में 5 फिरोज़शाह रोड (टाइप-7) के आवंटी हैं, ने केजरीवाल से अस्थायी रूप से स्थानांतरित होने का आग्रह किया, जबकि पार्टी ने कानूनी कार्यवाही शुरू करते हुए मांग की कि आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग संपदा निदेशालय को राष्ट्रीय संयोजक के लिए एक आधिकारिक आवास की पहचान और आवंटन करने का निर्देश दें। आप ने तर्क दिया कि एक राष्ट्रीय पार्टी के प्रमुख होने के नाते, केजरीवाल टाइप 8 बंगले के पात्र हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद, केंद्रीय एजेंसियों ने अंतत: इस उद्देश्य के लिए 95 लोधी एस्टेट की पहचान की। केजरीवाल को आवंटित टाइप 7 बंगले में चार शयनकक्ष, एक हॉल, एक प्रतीक्षालय और एक भोजन कक्ष है। इसमें दो लॉन हैं, जिनमें से एक छोटा है। वर्तमान कैंप कार्यालय में दो कमरे हैं, जबकि स्टाफ क्वार्टर में रहने वाले कर्मचारी लगभग एक दशक से यहीं रह रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि केजरीवाल और उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने सोमवार को बंगले का दौरा किया। उम्मीद है कि सामान्य नवीनीकरण और संशोधन पूरा होने के बाद परिवार इसमें शिफ्ट हो जाएगा। यह आवंटन शीशमहल विवाद की यादों के बीच हुआ है, जब केजरीवाल को दिल्ली में आधिकारिक मुख्यमंत्री आवास के नवीनीकरण को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा था।

कफ सिरप मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा देशभर में रोक लगाने की उठी मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कफ सिरप से मौतों का मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। सर्वोच्च अदालत में एक जनहित याचिका दायर हुई है। रिट दाखिल करने वाले याचिकाकर्ता ने मांग की है कि पूरे देश में दूषित (जानलेवा) कफ सिरप प्रतिबंधित की जानी चाहिए। याचिका में कफ सिरप के सुरक्षित फॉर्मूलेशन की निगरानी के लिए कमेटी बनाने की मांग की गई है।

याचिका दाखिल करने वाले ने कहा है कि कोर्ट की निगरानी में एक एक्सपर्ट कमेटी बनाई जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका वकील विशाल तिवारी ने लगाई है। जनहित याचिका में शोक संतप्त परिवारों के लिए मुआवजे की मांग करने के साथ-साथ देशभर में दूषित सिरप पर प्रतिबंध लगाने की मांग भी की गई है। याचिकाकर्ता वकील ने कहा है कि दूषित कफ सिरप को वापस मंगाया जाना चाहिए। याचिका में बच्चों की दवा में विषाक्त केमिकल डाइएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) और एथिलीन ग्लाइकॉल को लेकर डब्ल्यूएचओ की चेतावनी अनदेखी करने का आरोप स्वास्थ्य मंत्रालय पर लगाया गया है। जनहित याचिका के अनुसार, ये मौतें एक पुरानी रेगुलेटरी खराबी को दिखाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की बार-बार की चेतावनियों के बाद भी न तो केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन और न ही स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक समान पूर्व-रिलीज परीक्षण प्रोटोकॉल रिकॉल तंत्र लागू किया।

जाफर एक्सप्रेस पर फिर हुआ अटैक बम धमाके से दहल उठा पाकिस्तान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लाहौर। पाकिस्तान में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पर एक बार फिर से अटैक हुआ है। मंगलवार (7 अक्टूबर) को हुए बम धमाके की वजह से कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. वहीं कई डिब्बे भी पटरी से उतर गए हैं बलूच रिपब्लिकन गार्ड्स ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है.

बलूच आर्मी ने पटरियों पर रिमोट कंट्रोल वाला आईईडी बम लगा रखा था. जाफर एक्सप्रेस पर इस साल हुआ यह तीसरा बड़ा हमला है। रावलपिंडी से क्वेटा जा रही जाफर एक्सप्रेस आईईडी ब्लास्ट की वजह से पटरी से उतर गई। इस दौरान कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना की जानकारी के तुरंत बाद सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंच गए और घायलों को नजदीकी अस्पताल भेजा गया। बलूच रिपब्लिकन गार्ड्स ने जाफर एक्सप्रेस पर हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा, बलूच रिपब्लिकन गार्ड्स के फ्रीडम फाइटर्स ने सुल्तान कोट में जाफर एक्सप्रेस को आईईडी धमाके से निशाना बनाया। ट्रेन पर उस वक्त हमला किया गया जब उसमें पाकिस्तान के जवान सवार थे। धमाके की वजह से कई पाकिस्तानी जवान मारे गए हैं और कई घायल भी हुए हैं. बलूच लिबरेशन आर्मी इस हमले की जिम्मेदारी लेती है और भविष्य में ऐसे आजादी के लिए ऐसे और ऑपरेशन को अंजाम देगी।

भाजपा नेता अजय मिश्र टेनी और बेटे आशीष मिश्रा पर गवाह को धमकाने के आरोप में एफआईआर दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद, 2021 के तिकुनिया हिंसा मामले में एक गवाह को धमकाने के आरोप में लखीमपुर खीरी पुलिस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी और उनके बेटे आशीष मिश्रा सहित दो अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

एसएसपी (खीरी) संकल्प शर्मा ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया 4 अक्टूबर को टेनी और उनके बेटे सहित तीन नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ आईपीसी की धारा 195ए (किसी व्यक्ति को झूठे साक्ष्य देने के लिए धमकाना), 506 (आपराधिक धमकी) और 120बी (आपराधिक साजिश) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। एफआईआर में शिकायतकर्ता बलजिंदर सिंह ने कहा कि मैं उस घटना का प्रत्यक्षदर्शी था, जिसमें तत्कालीन मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा से जुड़े वाहनों द्वारा प्रदर्शनकारी किसानों को कुचलने के बाद चार किसानों और एक पत्रकार की मौत हो गई थी... शिकायतकर्ता ने कहा, 15 अगस्त, 2023 को, टेनी के एक करीबी सहयोगी अमनदीप सिंह, एक अन्य व्यक्ति के साथ, मेरे घर आए और मुझ पर उनके खिलाफ अदालत में गवाही न देने का दबाव डाला। उन्होंने पैसे की भी पेशकश की और धमकियां भी दीं, जिसे बलजिंदर ने अपने फोन में रिकॉर्ड करने का दावा किया। बलजिंदर ने आगे बताया कि अगले दिन जब वह अदालत में पेश होने वाला था, अमनदीप उसके ससुराल पहुंचा और फिर से उसे रिश्वत देने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि बार-बार मिल रही धमकियों के बाद उन्हें अपनी ज़मीन पट्टे पर देनी पड़ी और अपने परिवार के साथ पंजाब भागना पड़ा। हमें अपनी जान का डर था। 3 अक्टूबर, 2021 को चार किसानों और एक स्थानीय पत्रकार सहित आठ लोगों की हत्या कर दी गई थी, जब आशीष और उनके सहयोगियों पर कथित तौर पर गोलीबारी करने और अपनी एसयूवी से किसानों को कुचलने का आरोप लगाया गया था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।